राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 177 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, शनिवार , 08 जनवरी 2022 मूल्य: 1.50/-

खास ख़बर

गंगासागर मेला

हाइकोर्ट ने आयोजन की अनुमति दी

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गंगासागर मेले के आयोजन की अनुमति दे दी है, लेकिन साथ ही एक समिति गठित करने निर्देश दिया है जो मेले में कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन होने पर राज्य को सागर द्वीप पर प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश कर सकता है। मेला आठ जनवरी से शुरू होना है। अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया है कि वह मेला स्थल सागर द्वीप को 24 घंटों के भीतर अधिसूचित क्षेत्र घोषित करे। सागर द्वीप को अधिसूचित क्षेत्र घोषित करने पर राज्य को जरुरत के अनुरुप तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण के संबंध में कदम उठाने का अधिकार प्राप्त हो जाएगा।

राजस्थान सरकार ने नियमों को सख्त किया, जुर्माने की घोषणा

जयपुर। राजस्थान में कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए गृह विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने पर वसूली जाने वाली जुर्माना राशि तय कर दी गई है। अधिसूचना के अनुसार किसी भी सार्वजनिक, सामाजिक, राजनीतिक ,खेल मनोरंजन, शैक्षिक, सांस्कृतिक और धार्मिक समारोहों, विवाह, रैलियों, प्रदर्शनों जुलूसों, मेलों और ऐसे अन्य आयोजनों के बारे में सरकार को सूचना देना अनिवार्य होगा।

विज्ञापन जगत की जानीमानी हस्ती गर्सन दा कुन्हा का निधन

मुंबई। विज्ञापन जगत की जानीमानी हस्ती एवं बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी गर्सन दा कुन्हा का शुक्रवार को यहां निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। उनके एक पूर्व सहयोगी ने यह जानकारी दी। विज्ञापन जगत, फिल्म और थिएटर कर्मी के तौर पर दा कुन्हा के नाम कई उपलब्धियां हैं। दा कुन्हा ने विज्ञान में स्नातक करने के बाद अपने करियर की शुरुआत प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया में एक पत्रकार के रूप में की थी।

जरा हट के... बग्गा

सुप्रीम कोर्ट ने दिए दिशा-निर्देश

नीट-पीजी के लिए काउंसलिंग शुरू करने की अनुमति

■ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने 2021 की राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) की रुकी हुई काउंसलिंग प्रक्रिया को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को 27 प्रतिशत तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए दस प्रतिशत आरक्षण की मौजूदा सीमा के आधार पर फिर से शुरू करने का रास्ता शुक्रवार को साफ कर दिया। इस आदेश से उन अनेक डॉक्टरों को राहत मिलेगी जो स्नातकोत्तर (पीजी) चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए इंतजार कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ ने अंतरिम आदेश सुनाते हुए कहा, काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू करने की तत्काल आवश्यकता है। पीठ ने लगातार दो दिन तक आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के निर्धारण के लिए आठ लाख रुपए सालाना आय मानदंड की स्वीकार्यता के विषय पर सुनवाई की थी।पीठ ने कहा कि फैसले की विस्तृत व्याख्या जल्द ही बाद में की जाएगी। पीठ ने कहा, नीट-पीजी 2021 और नीट-यूजी 2021 के आधार पर काउंसलिंग 29 जुलाई 2021 को जारी नोटिस में दर्ज आरक्षण को प्रभावी बनाते हुए की जाएगी। जिसमें अखिल भारतीय कोटा सीटों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को 27 प्रतिशत तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए दस प्रतिशत आरक्षण शामिल है। शीर्ष अदालत ने कुछ डॉक्टरों की याचिकाओं पर यह अंतरिम आदेश दिया।

चिकित्सा बिरादरी के लिए ऐतिहासिक दिन

रेजिडेंट डॉक्टरों के महासंघ ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया जिसके जरिए शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए दाखिले को बहाल किया गया है। उसने कहा कि यह देश की चिकित्सा बिरादरी के लिए ऐतिहासिक दिन है। दिल्ली के रेजिडेंट डॉक्टर नीट-पीजी काउंसलिंग में देरी के खिलाफ कई हफ्तों से प्रदर्शन कर रहे थे और 31 दिसंबर को उन्होंने सरकार से उनकी मांगों पर विचार करने का भरोसा मिलने पर हड़ताल वापस ले लिया था। यह विरोध प्रदर्शन फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन(एफओआरडीए) के नेतृत्व में चल रहा था। चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश नीट-पीजी के माध्यम से होता है।

भारत के टीकाकरण अभियान पर पीएम मोदी ने कहा...

बड़े देशों के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं

■ कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत ने अपने नागरिकों को महामारी रोधी टीके की 150 करोड़ खुराक देकर एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है और दुनिया के ज्यादातर बड़े-बड़े देशों के लिए भी यह किसी आश्चर्य से कम नहीं है। कोलकाता स्थित चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (सीएनसीआई) के दूसरे परिसर का वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि भारत के 130 करोड़ लोगों के सामर्थ्य का प्रतीक है। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया सहित कई केंद्रीय मंत्री व नेता उपस्थित थे।

इस परिसर का निर्माण 530 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। इसमें केंद्र सरकार ने करीब 400 करोड़ रुपए दिए हैं जबकि शेष राशि पश्चिम बंगाल सरकार ने खर्च की।सीएनसीआई पर कैंसर मरीजों का भारी बोझ था और पिछले कुछ समय से इसके विस्तार की जरूरत महसूस की जा रही थी। सीएनसीआई के नए परिसर के बन जाने से उसपर पड़ने वाला बोझ कम होगा।नए परिसर में 460 बिस्तरों वाला व्यापक कैंसर यूनिट होगा जो अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।

यह परिसर कैंसर अनुसंधान के एक अत्याधुनिक केंद्र के रूप में भी काम करेगा।प्रधानमंत्री ने कहा कि अस्पताल के नए परिसर के उद्घाटन से, देश के हर नागरिक तक उत्तम स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के संकल्पों को आगे बढ़ाने की दिशा में हमने एक और कदम बढ़ाया है।

यह परिसर पश्चिम बंगाल के अनेक नागरिकों के लिए सुविधा लेकर आया है। इससे विशेष रूप से उन गरीब, मध्यमवर्ग परिवारों को बहुत राहत मिलेगी, जिनका कोई अपना कैंसर से मुकाबला कर रहा है।

150 करोड़ खुराक का ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया

टीकाकरण अभियान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज ही देश ने एक और महत्वपूर्ण पड़ाव को पार किया है। साल की शुरुआत देश में 15 से 18 साल की उम्र के बच्चों के लिए टीकाकरण से की गई थी, वहीं आज साल के पहले महीने के पहले हफ्ते में भारत ने टीकों की 150 करोड़ खुराक के ऐतिहासिक मुकाम को भी हासिल किया है। टीकों की 150 करोड़ खुराक और वह एक साल से कम समय में देने का लक्ष्य हासिल करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, यह आंकड़ों के हिसाब से बहुत बड़ी संख्या है। दुनिया के ज्यादातर बड़े-बड़े देशों के लिए भी यह किसी आश्चर्य से कम नहीं है। भारत के लिए यह 130 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य का प्रतीक है।

पीएम सुरक्षा में चूक अच्छी बात नहीं : आरएसएस

एजेंसी ■ हैदराबाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिन पहले की पंजाब यात्रा के दौरान सुरक्षा में चूक एक गंभीर मुद्दा है और यह अच्छा नहीं है कि उच्च संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति फंसे रहें। संघ के सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य ने यहां संवाददाताओं को बताया, गंभीर मुद्दा है। इसकी जांच भी की जा रही है। सरकार अपना काम करेगी। उच्च संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति ऐसे ही फंसे रहें, यह अच्छा नहीं है। यह देश के लिए अच्छा नहीं है। वैद्य ने शुक्रवार को यहां संपन्न संघ परिवार के संगठनों की तीन दिवसीय समन्वय बैठक के बारे में पत्रकारों को जानकारी दी। वैद्य से पांच जनवरी को प्रधानमंत्री की पंजाब यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा चूक के बारे में पूछा गया, जिस पर उन्होंने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि 36 स्वतंत्र, स्वायत्त संगठनों ने बैठक में भाग लिया और 24 महिलाओं सहित 216 प्रतिनिधियों के आने की उम्मीद थी, जिनमें से 91 प्रतिशत ने भाग लिया। संघ का लक्ष्य क्या है, इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यह (संघ) भारत को दुनिया का सबसे महान राष्ट्र बना रहा है।

सूरजकुंड शिल्प मेले का आयोजन स्थगित

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने 35वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला-2022 का आयोजन टाल दिया है। कोविड के मामलों में इजाफे के मद्देनजर राज्य सरकार ने आयोजन की तिथि में परिवर्तन करने का फैसला किया। इसके पहले मेले का आयोजन चार से 20 फरवरी के बीच प्रस्तावित था। राज्य सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मेले की नई तारीख की घोषणा बाद में कोविड की स्थिति को ध्यान में रखते हुए की जाएगी।

दिल्ली में दो दिन का वीकेंड कर्फ्यू

■ नई दिल्ली

सोमवार सुबह 5:00 बजे तक दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू रहेगा

दिल्लीवासी दो दिनों तक अपने घरों में रहेंगे क्योंकि 55 घंटे का वीकेंड कर्फ्यू शुक्रवार रात 10 बजे से शुरू होकर सोमवार सुबह 5 बजे तक लागू रहेगा। सप्ताहांत कर्फ्यू के दौरान आवश्यक सेवाओं में शामिल व्यक्तियों और छूट प्राप्त श्रेणियों के तहत आने वाले व्यक्तियों को छोड़कर, लोगों की आवाजाही 55 घंटे तक प्रतिबंधित रहेगी। कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के कारण संक्रमितों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए, दिल्ली सरकार ने मंगलवार को सप्ताहांत कर्फ्यू की घोषणा की थी। इस दौरान केवल आवश्यक सेवाओं में शामिल व्यक्तियों को ही छूट रहेगी।

इन सेवाओं से जुड़े लोग निकल सकते हैं बाहर

इसके अलावा अस्पताल, क्लीनिक, वैक्सीनेशन सेंटर, मेडिकल इंश्योरेंस, फूड एंड सप्लाई, ग्रॉसरी, दवाई, एजुकेशनल, बुक्स एंड स्टेशनरी, न्यूजपेपर डिसटीब्यूशन, बैंक इंश्योरेंस, टेलीकम्युनिकेशन, पेट्रोल पंप, सीएनजी, एलपीजी, पेट्रोलियम, ट्रांसपोर्टेशन, सरकारी और प्राइवेट सिक्योरिटी सर्विसेज से जुड़े लोग, इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, वाटर प्यूरीफायर, रिपेयरिंग, कृषि कार्य से जुड़े लोग, पोस्टल सर्विसेज आदि से जुड़े लोगों को वीकेंड कर्फ्यू के दौरान अपना वैलिड आईडी प्रूफ और ई-पास दिखाना अनिवार्य होगा। आपात सेवाओं या आवश्यक सेवाओं से जुड़े अधिकारी है, तो आपको अपना वैलिड आईडी प्रूफ दिखाना होगा।

सुरक्षा चूक : केंद्र की जांच समिति फिरोजपुर पहुंची

■ नई दिल्ली/चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे पर हुई सुरक्षा में गंभीर चूक की जांच कर रहा केंद्र का एक दल शुक्रवार को फिरोजपुर पहुंचा, जबकि राज्य की ओर से केंद्र को सौंपी गई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि घटना के सिलसिले में प्राथमिकी दर्ज की गई है।सूत्रों ने बताया कि केंद्र की तीन सदस्यीय समिति प्रधानमंत्री के पांच जनवरी के दौरे के घटनाक्रम के बारे में पूरी जानकारी हासिल कर रही है।यह दल पहले फिरोजपुर के पास प्यारेयाना फ्लाईओवर पहुंचा और पंजाब पुलिस तथा प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की। समिति का नेतृत्व कैबिनेट सचिवालय के सचिव (सुरक्षा) सुधीर कुमार सक्सेना कर रहे हैं और इसमें खुफिया ब्यूरो के संयुक्त निदेशक बलबीर सिंह और विशेष सुरक्षा समूह के आईजी एस सुरेश शामिल हैं। केंद्र ने समिति को जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा है।सूत्रों ने बताया कि दल ने सुरक्षा में चूक की जांच शुरू कर दी है और उन खामियों पर गौर किया, जिसके कारण प्रधानमंत्री का काफिला बुधवार को करीब 15-20 मिनट तक फ्लाईओवर पर फंसा रहा था।केंद्र ने मोदी के पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक की जांच करने के लिए बृहस्पतिवार को तीन सदस्ईय समिति बनाई थी।दल ने मामले में पूछताछ और जांच के लिए सीमा सुरक्षा बल के क्षेत्रीय मुख्यालय जाने से पहले फ्लाईओवर पर करीब 45 मिनट बिताए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर प्रगति कर रहा है

एजेंसी ■ गुवाहाटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर विकास की दिशा में बड़ी प्रगति कर रहा है और संपर्क तथा सुरक्षा की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार के साथ पर्यटन बेहद उपयोगी क्षेत्र होगा। असम के राज्यपाल जगदीश मुखी ने शुक्रवार को ऐसा कहा। यहां नौवें पूर्वोत्तर महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में मुखी ने कहा कि यह क्षेत्र बर्फ से ढके पहाड़ों, वन्य जीवन, सांस्कृतिक विविधता और प्रदूषण मुक्त वातावरण जैसे विशाल पर्यटन संसाधनों से समृद्ध है।मुखी ने आशा जताई कि महामारी जल्द ही समाप्त हो जाएगी और आने वाले दिनों में पूर्वोत्तर निवेश और पर्यटन के लिए सबसे आकर्षक गंतव्य बन जाएगा।

उन्होंने कहा, मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि एनईजेडसीसी सहित विभिन्न सरकारी संगठन पूर्वोत्तर महोत्सव के माध्यम से क्षेत्र की संस्कृति और क्षमता को बढ़ावा देने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने टूर ऑपरेटरों की नेटवर्किंग के माध्यम से पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए महोत्सव के आयोजकों की सराहना की।

दलित का सीएम बनना भाजपा को अच्छा नहीं लगा

■ नई दिल्ली

कांग्रेस ने पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में गंभीर चूक के मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा कि दलित और वंचित समाज के बेटे चरणजीत सिंह चन्नी का मुख्यमंत्री बन जाना केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री और भाजपा को तुच्छ राजनीति और अनर्गल आरोप-प्रत्यारोप करने की बजाय कोविड के बढ़ते मामलों, महंगाई और दूसरे उन मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए जो इस वक्त देश के सामने चुनौती बनकर खड़े हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, यदि भाजपा मोदी जी को सिर्फ अपना नेता नहीं, बल्कि देश का प्रधानमंत्री मानने लगेगी तो तुच्छ राजनीति करना छोड़ देगी। सुप्रिया के अनुसार, पंजाब के फिरोजपुर में फ्लाईओवर पर प्रधानमंत्री का काफिला रुकने से जुड़ा एक नया वीडियो सामने आया है जिसमें भाजपा के लोग अपनी पार्टी का झंडा लेकर नारेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नए वीडियो के सामने आने के बाद दूध का दूध, पानी का पानी हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले को तूल दिया जा रहा है और राजनीति हो रही है क्योंकि प्रधानमंत्री की पांच जनवरी की प्रस्तावित सभा में कुर्सियां खाली थीं। सुप्रिया ने कहा, हम प्रधानमंत्री और भाजपा से कहना चाहते हैं कि आप तीन करोड़ पंजाबियों को अपना दुश्मन घोषित मत करिए। उन्होंने दावा किया, सच यह है कि एक गरीब, दलित, वंचित समाज का बेटा मुख्यमंत्री बन गया है तो यह भाजपा को बर्दाश्त नहीं हो रहा है, यह बात भाजपा के गले नहीं उतर रही है।

प्रधानमंत्री की दीर्घायु की कामना के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जाप

■ जयपुर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घायु की कामना के लिए शुक्रवार को राजस्थान में कई जगह महामृत्युंजय मंत्र का जाप और हवन किया। इस तरह का जाप जैसलमेर के शिव मंदिर में भी किया गया जिसमें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां भी शामिल हुए। पार्टी प्रवक्ता के अनुसार, प्रधानमंत्री की दीर्घायु की कामना के लिए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पूनियां ने जैसलमेर के शिव मंदिर में भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ महामृत्युंजय जाप किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के ओबीसी मोर्चा की ओर से जयपुर में महामृत्युंजय मंत्र का जाप एवं हवन किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक के मामले में जैसलमेर में धरना भी दिया और पूनियां भी धरने पर बैठे।

पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पंजाब सरकार और कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की। इस अवसर पर पूनियां ने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर कांग्रेस देश के साथ नहीं खड़ी है और इससे कांग्रेस का आचरण देशद्रोही जैसा लग रहा है।

निर्देश सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को भारत आने पर ....

सात दिनों तक घर पर पृथकवास में रहना होगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के आगमन पर सात दिनों के लिए घर पर पृथकवास में रहना और आठवें दिन आरटी-पीसीआर जांच कराना शुक्रवार को अनिवार्य कर दिया। इस सिलसिले में संशोधित दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। शुक्रवार को जारी दिशानिर्देश 11 जनवरी से प्रभावी होंगे और अगले सरकारी आदेश तक प्रभावी रहेंगे। कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप का पता चलने के बाद वैश्विक स्तर पर कोविड के मामले बढ़ने के मद्देनजर नया आदेश जारी किया गया है। मौजूदा नियमों के मुताबिक, जिन्हें संशोधित दिशानिर्देशों में बरकरार रखा गया है, जोखिम वाले देशों के रूप में सूचीबद्ध किए गए देशों से आने वाले यात्रियों को आगमन के बाद कोविड जांच के लिए अपने नमूने देने होंगे और उन्हें हवाईअड्डे से बाहर निकलने या गंतव्य के लिए अगली (कनेक्टिंग)उड़ान में सवार होने के लिए जांच के नतीजों का इंतजार करना होगा। जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने पर, उन्हें सात दिनों तक घर पर पृथकवास में रहना होगा और इसके बाद आठवें दिन अपनी आरटी-पीसीआर जांच करानी होगी। उन्हें आठवें दिन किए गए जांच के नतीजे को एअर सुविधा पोर्टल (संबद्ध राज्योंकेंद्रशासित प्रदेशों द्वारा निगरानी के लिए) पर अपलोड करना होगा। जांच के नतीजे नेगेटिव आने पर उन्हें अगले सात दिनों तक अपने स्वास्थ्य की खुद निगरानी करनी होगी। जिन देशों से आने पर यात्रियों को अतिरिक्त उपायों का अनुपालन करने की जरूरत होगी, उन देशों की अद्यतन सूची में ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बोत्सवाना, चीन, घाना, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे,तंजानिया, हांगकांग, इजराइल, कांगो, इथियोपिया, कजाकिस्तान, केन्या, नाइजीरिया, ट्यूनीशिया और जांबिया शामिल हैं। इन अतिरिक्त उपायों में आगमन के बाद जांच (जोखिम वाले देशों से आने पर) भी शामिल है। जिन देशों को जोखिम वाले देशों की सूची में नहीं रखा गया है, वहां से आने वाले यात्रियों (उड़ान के कुल यात्रियों के दो प्रतिशत) की हवाईअड्डे पर कोविड जांच की जाएगी।

थूकने के वीडियो पर महिला आयोग ने जावेद हबीब को किया तलब

■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय महिला आयोग ने उस कथित वीडियो को लेकर जानेमाने हेयर स्टाइलिस्ट जावेद हबीब को आगामी 11 जनवरी को तलब किया है, जिसमें वह एक महिला के बाल पर थूकते हुए दिख रहे हैं। आयोग ने इस मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस से भी कहा कि वह इस वीडियो की सत्यता की जांच करे। यह घटना उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में आयोजित एक कार्यशाला के दौरान की है। महिला आयोग ने हबीब को भेजे सम्मन में कहा कि उसने घटना का गंभीरता से संज्ञान लिया है। आयोग ने कहा कि हबीब 11 जनवरी को दोपहर 12.30 बजे उसके समक्ष उपस्थित हों और स्पष्टीकरण दें। महिला आयोग के मुताबिक, यह घटना केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी कोविड संबंधी दिशानिर्देशों का भी उल्लंघन है।

विवाद खड़ा होने के बाद हबीब ने माफी मांग ली

वीडियो में दिख रहा है कि जावेद महिला के बाल पर थूक रहे हैं और यह भी कहते सुने जा रहे हैं कि जब पानी की कमी हो तो थूक का इस्तेमाल करिए। इसमें वहां मौजूद लोग हंसते देखे जा सकते हैं। विवाद खड़ा होने के बाद हबीब ने माफी मांग ली। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा, कुछ शब्दों की वजह से लोग आहत हुए है। ये पेशेवर कार्यशालाएं होती हैं और लंबे शो होते हैं, ऐसे में हमें लोगों के साथ थोड़ा हंसी-मजाक करना होता है।

सार समाचार

उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण, अमेरिका और द.कोरियाई ने जाहिर की चिंता

प्योंगयॉग । उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया है ।रिपोर्ट के मुताबिक यह परीक्षण बुधवार, 5 जनवरी को किया गया ।मिसाइल ने सफलतापूर्वक 700 किलोमीटर दूर अपने लक्ष्य पर निशाना लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक, बीते साल अक्टूबर के बाद उत्तर कोरिया ने पहला मिसाइल परीक्षण किया है। अमेरिका, दक्षिण कोरिया, जापान ने भी इसकी पुष्टि कर उत्तर कोरिया की आलोचना भी की है। वैसे, उत्तर कोरिया ने पहली बार बीते साल सितंबर में हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया था। परीक्षण के साथ ही वह ये क्षमता हासिल करने वाले दुनिया के चुनिंदा देशों में शामिल हो गया था ।हालांकि उ.कोरिया के आक्रामक परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम की पूरी दुनिया में आलोचना भी होती रही है। हाइपरसोनिक मिसाइल की रफ्तार आवाज से 5 गुना ज्यादा है ।यानी जितनी देर में व्यक्ति की आवाज दूसरे के कान तक पहुंचे, उसके एक-चौथाई से भी कम समय में पहुंच सकती है। इसकी रफ्तार करीब 6,200 किलोमीटर प्रतिघंटा है। यानी, नई दिल्ली से न्यूयॉर्क की लगभग 11,747 किलोमीटर की दूरी 2 घंटे से कम में नाप सकती है। इसकी एक और खासियत ये है कि यह बेहद कम ऊंचाई पर उड़ान भर सकती है। इस परीक्षण के जरिए परख लिया गया है कि ये मिसाइल तेज ठंड के मौसम भी सफलतापूर्वक दागी जा सकती है। वरिष्ठ विशेषज्ञ कहते हैं, उ. कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल की उपयोगिता को अच्छी तरह समझ लिया है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के पास मौजूद मिसाइल डिफेंस प्रणालियों का मुकाबला करने के लिहाज से उत्तर कोरिया के लिए हाइपरसोनिक मिसाइल-सिस्टम बहुत काम आने वाला है। वह इस वक्त दो स्तर की हाइपरसोनिक मिसाइल विकसित कर चुका है। जिसका परीक्षण बीते साल सितंबर में किया था। जिसका परीक्षण अभी बुधवार, 5 जनवरी को हुआ है ।नई मिसाइल ह्वासोंग-8 का ही सुधरा हुआ संस्करण है।

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में मकान में लगी भीषण आग, आठ बच्चों समेत 12 लोगों की मौत

फिलाडेल्फिया (अमेरिका)। अमेरिका के फिलाडेल्फिया में दो मंजिला मकान में लगी आग में आठ बच्चों समेत 12 लोगों की मौत हो गई। दमकल अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दो लोगों को अस्पताल भेजा गया है और अन्य पीड़ितों की तलाश की जा रही है। अधिकारियों ने घटना में और अधिक लोगों के मारे जाने की आशंका जताई है। इस मकान में 26 लोग रहते थे। दमकल अधिकारियों ने बताया कि प्रतीत होता है कि मकान में आग लगने की सूचना देने वाला अलार्म काम नहीं कर रहा था। बुधवार तड़के लगी आग का कारण भी ज्ञात नहीं है लेकिन यह शहर में हुआ अब तक का सबसे बड़ा हादसा है जिसमें आग लगने की वजह से इतने अधिक लोगों की जान गई है। अधिकारियों ने घटना में मारे गए लोगों के नाम, उम्र की जानकारी नहीं दी है। आग सुबह साढ़े छह बजे से पहले लगी थी। कम से कम आठ लोग आग से बच निकलने में सफल रहे। परिवार के लोगों ने फेसबुक पर दो पीड़ितों की पहचान की है। दोनों बहनें हैं - रोजली मैकडोनल्ड (33) और वर्जीनिया थॉमस (30)। दोनों के कई बच्चे हैं हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आग लगने की घटना के वक्त वहां कितने बच्चे मौजूद थे या उनके कितने बच्चों की मौत हुई। दमकल अधिकारियों ने इससे पहले बताया था कि घटना में 13 लोगों की मौत हुई है जिनमें सात बच्चे हैं लेकिन बाद में बुधवार शाम उन्होंने बताया कि मरने वालों में आठ बच्चे और चार वयस्क हैं। दमकल अधिकारी मकान से एक बच्चे को बचाने में सफल रहे लेकिन बाद में उसकी भी मौत हो गई। घटना फेयरमाउंट इलाके में हुई है जो शहर के उत्तर पश्चिम में स्थित है। यहां फिलाडेल्फिया म्युजियम ऑफ आर्ट भी स्थिति है। अधिकारियों ने घटना स्थल के पास दिन में संवाददाता सम्मेलन भी किया। प्रथम दमकल उपायुक्त क्रेग मर्फी ने कहा, 'यह अब तक का सबसे भीषण हादसा है। मैंने अपने जीवन में अब तक ऐसा हादसा नहीं देखा था।' शहर के महापौर जिम केनी ने कहा, 'घटना में इतने सारे बच्चों की जान जाना दुखद है।' राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन का इस जगह से गहरा नाता रहा है। जिल बाइडन ने घटना पर शोक जताते हुए ट्वीट किया, 'फिलाडेल्फिया में आग लगने की घटना में मारे गए लोगों के परिवारों और उनके प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

बोरिस जॉनसन ने भारत के साथ एफटीए के तहत वीजा नियमों में ढील देने की अटकलों को खारिज किया

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बुधवार को इस धारणा को खारिज करने की कोशिश की कि भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत भारतीयों के लिए वीजा नियमों में ढील दी जाएगी। साप्ताहिक प्रधानमंत्री के प्रश्न सत्र के दौरान जॉनसन की कंजरवेटिव पार्टी के एक सांसद ने मीडिया में आई उन रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया मांगी जिसमें भारत के लिए एफटीए को और अधिक आकर्षक बनाने के मद्देनजर भारतीय पेशेवरों और छात्रों के लिए आसान वीजा नियम बनाने का दावा किया गया था। कंजरवेटिव सांसद सर एडवर्ड लेह ने जॉनसन से पूछा कि क्या भारत के साथ व्यापार समझौते को सुरक्षित करने के लिए वीजा नियंत्रण में छूट का इरादा है। जॉनसन ने कहा, हम उस आधार पर मुक्त व्यापार समझौते नहीं करते हैं। सदन में सांसद एडवर्ड का प्रश्न उन रिपोर्ट पर आधरित है, जिसके अनुसार ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार सचिव ऐने मैरी ट्रेवेलियन के इस महीने के अंत में एफटीए वार्ता शुरू करने के लिए दिल्ली की यात्रा करने की उम्मीद है और कयास लगाए जा रहे हैं कि वह ब्रिटेन के एफटीए के हिस्से के रूप में ऑस्ट्रेलिया के समान वीजा योजना की पेशकश कर सकती हैं। इस तरह की योजना से भारतीय युवाओं को ब्रिटेन आने और वहां तीन साल तक काम करने का मौका मिलेगा।

उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण, अमेरिका और द.कोरियाई ने जाहिर की चिंता

प्योंगयॉग । उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया है ।रिपोर्ट के मुताबिक यह परीक्षण बुधवार, 5 जनवरी को किया गया ।मिसाइल ने सफलतापूर्वक 700 किलोमीटर दूर अपने लक्ष्य पर निशाना लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक, बीते साल अक्टूबर के बाद उत्तर कोरिया ने पहला मिसाइल परीक्षण किया है। अमेरिका, दक्षिण कोरिया, जापान ने भी इसकी पुष्टि कर उत्तर कोरिया की आलोचना भी की है। वैसे, उत्तर कोरिया ने पहली बार बीते साल सितंबर में हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया था ।परीक्षण के साथ ही वह ये क्षमता हासिल करने वाले दुनिया के चुनिंदा देशों में शामिल हो गया था ।हालांकि उ.कोरिया के आक्रामक परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम की पूरी दुनिया में आलोचना भी होती रही है। हाइपरसोनिक मिसाइल की रफ्तार आवाज से 5 गुना ज्यादा है ।यानी जितनी देर में व्यक्ति की आवाज दूसरे के कान तक पहुंचे, उसके एक-चौथाई से भी कम समय में पहुंच सकती है। इसकी रफ्तार करीब 6,200 किलोमीटर प्रतिघंटा है। यानी, नई दिल्ली से न्यूयॉर्क की लगभग 11,747 किलोमीटर की दूरी 2 घंटे से कम में नाप सकती है।

अलमाटी में कजाकिस्तान के अधिकारी ईंधन की बढ़ती हुई कीमतों का विरोध कर रहे लोगों पर नियंत्रण का प्रयास करते हुए।

उत्तर कोरिया ने किया हाइपरसोनिक मिसाइल दूसरा सफल परीक्षण, तिलमिलाया अमेरिका

सियोल। उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उसने एक हाइपरसोनिक मिसाइल का का दूसरा सफल परीक्षण किया है। इससे कुछ दिन पहले देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने कोविड महामारी की दुश्वारियों के बीच सैन्य क्षमता को बढ़ाने का संकल्प लिया था। बुधवार को किया गया परीक्षण, पिछले दो महीने में उत्तर कोरिया द्वारा किया गया पहला परीक्षण था। इससे संकेत मिलते हैं कि यह देश निरस्त्रीकरण की दिशा में बातचीत करने की बजाय अपने नाभिकीय और मिसाइल भंडार के आधुनिकीकरण की योजना पर जोर देगा।

आधिकारिक कोरियाई समाचार एजेंसी ने कहा कि सत्ताधारी ह्यवर्कर्स पार्टीह्व ने मिसाइल परीक्षण पर संतोष व्यक्त किया है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उत्तर कोरिया कितनी जल्दी इस प्रकार की मिसाइलों का निर्माण करेगा लेकिन यह हथियार उन जटिल सैन्य उपकरणों में से एक है जिसका किम ने पिछले साल खुलासा किया था।

रूस की इस हरकत के बाद अमेरिका और जर्मनी ने दी चेतावनी, कहा- गंभीर परिणाम भुगतने होंगे

वाशिंगटन। (एजेंसी)

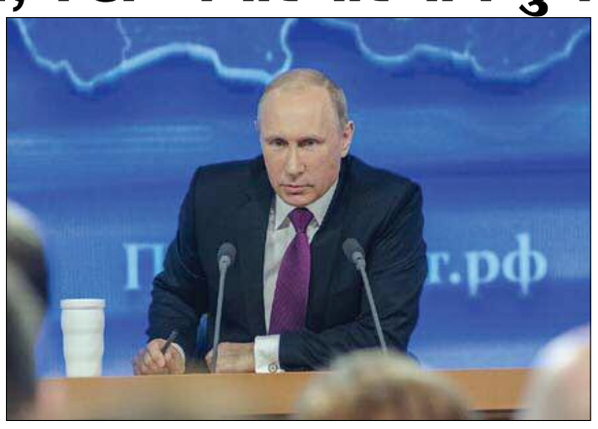

अमेरिका और जर्मनी ने कहा है कि यूक्रेन की सीमा के पास रूस के सैन्य जमावड़े ने यूरोपीय सुरक्षा के लिए 'तत्काल और बड़ी चुनौती पेश की' है तथा किसी भी हस्तक्षेप के 'गंभीर परिणाम' होंगे। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बारबॉक ने बुधवार को वाशिंगटन में बैठक के बाद रूस के मुद्दे पर एक राय जताने कीकोशिश की। ब्लिंकन ने कहा, 'जर्मनी और अमेरिका दोनों यूक्रेन के प्रति रूस की हरकत को यूरोप में शांति और स्थिरता के लिए तत्काल और बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं।' अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, 'हम यूक्रेन की सीमा पर रूस के सैन्य जमावड़े की निंदा करते हैं। रूस की तीखी बयानबाजी की भी हम निंदा करते हैं क्योंकि वह झूठी धारणा फैला रहा है कि यूक्रेन उकसावेबाजी कर रहा है।'

बारबॉक ने ब्लिंकन के बयान से सहमति जताते हुए कहा, 'हमने संयुक्त रूप से कहा है कि रूस की कार्रवाई और गतिविधियां बिल्कुल स्पष्ट हैं और अगर रूस यूक्रेन की संप्रभुता का उल्लंघन करेगा तो उसके गंभीर परिणाम होंगे।' ब्लिंकन-बारबॉक की इस बैठक के एक सप्ताह पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फोन पर वार्ता की थी। बाइडन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की से भी रविवार को बात की थी। ब्लिंकन ने कहा, 'मूल सवाल यह है कि क्या रूस कूटनीति को लेकर गंभीर है, क्या वह तनाव कम करना चाहता है? देखते हैं अगले कुछ सप्ताह में क्या हालात पैदा होते हैं।' बाइडन प्रशासन रूस के खिलाफ कार्रवाई के लिए अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाने का प्रयास कर रहा है और इसके लिए जर्मनी का साथ जरूरी है। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश जर्मनी का साथ मिल जाने से अमेरिका को रूस के खिलाफ कदम उठाने में मदद मिलेगी।

पाकिस्तान के पीएम इमरान खान का दोस्त लॉर्ड नजीर ब्रिटेन में रेप का दोषी करार

लंदन (एजेंसी)

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री पीएम इमरान खान के दोस्त और ब्रिटेन के विवादित मुस्लिम नेता लार्ड नजीर अहमद को दो बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न का दोषी करार दिया गया है। लॉर्ड नजीर को 1970 के दशक में किशोरावस्था में एक बच्चे के साथ यौन उत्पीड़न और एक लड़की के साथ रेप के प्रयास का दोषी पाया गया है। पाकिस्तान में जन्मा लॉर्ड नजीर अहमद अक्सर भारत के खिलाफ कश्मीर को लेकर जहरीले बयान देता रहता है। यही नहीं एक बार तो उसने पीएम मोदी के मौत की कामना भी की थी। लेबर पार्टी के पूर्व नेता रह चुके लॉड नजीर को बच्चे के साथ अप्राकृतिक कृत्य और एक लड़की के साथ दो बार रेप के प्रयास का दोषी पाया गया है। नजीर के साथ उसके दो भाइयों को मोहम्मद फारुक और मोहम्मद तारिक के खिलाफ आरोप सही पाए गए हैं। नजीर के दोनों भाई ज्यादा उम्र हो जाने के कारण ट्रायल में शामिल होने के लिए अनफिट पाए गए थे। इससे पहले एक महिला ने कोर्ट को बताया था कि नजीर अहमद ने साल 1973 और 1974 में रेप का प्रयास किया था। उस समय नजीर की उम्र 16 या 17 साल थी और पीड़ित लड़की उससे भी काफी छोटी थी। नजीर को साल 1972 में एक बच्चे के साथ गंभीर यौन उत्पीड़न के मामले में दोषी पाया गया है। नजीर अहमद ने इन आरोपों को दुर्भावनापूर्ण करार दिया था और सभी आरोपों को खारिज किया था।

टीका न लेने वालों के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रपति के आपत्तिजनक शब्द पर खड़ा हुआ विवाद

पेरिस। (एजेंसी)

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कोरोना वायरस का टीका नहीं लेने वाले लोगों पर दबाव बनाने की अपनी रणनीति का जिक्र करते हुए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उनकी टिप्पणी को लेकर संसद में हंगामा होने के साथ ही उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने भी विरोध जताया। राष्ट्रपति ने हाल ही में एक फ्रांसीसी अखबार द्वारा प्रकाशित एक साक्षात्कार में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब संसद में नए उपायों को लेकर तीखी बहस हो रही है। नए कदमों में यह भी प्रस्ताव किया गया है कि केवल टीका लेने वाले लोगों को ही छुट्टियों पर बाहर घूमने की अनुमति दी जाए। राष्ट्रपति साक्षात्कार में टीकाकरण पर जोर देने की अपनी रणनीति की चर्चा कर रहे थे। मैक्रों के स्वास्थ्य मंत्री ओलिवियर वेरन ने राष्ट्रपति के बयान का बचाव किया और कहा कि उनके साक्षात्कार में 'सबसे ऊपर, जनसंख्या की रक्षा के लिए उनके इराद प्रदर्शित होते हैं। कोरोना वायरस के ओमीक्रोन वेरिएंट से जूझ रही दुनिया के लिए एक और बुरी खबर है। फ्रांस में वैज्ञानिकों को कोरोना वायरस का एक नया वेरिएंट मिला है जो ओमीक्रोन से भी ज्यादा संक्रामक है। यह वेरिएंट ज्यादा म्यूटेड है और इसका नाम आईएचयू है। इस बी.1.640.2 वेरिएंट को आईएचयचू मेडि?टेरेंस इन्फेक्शन के विशेषज्ञों ने खोजा है। शोधकताओं ने कहा कि इस वेरिएंट में 46 म्यूटेशन है जो ओमीक्रोन से भी ज्यादा है। विशेषज्ञों ने कहा कि आईएचयू वेरिएंट वैक्सीन और संक्रमण को लेकर ज्यादा प्रतिरोधी है। यही नहीं इस आईएचयू वेरिएंट के कम से कम 12 मामले मारसेल्लेस के पास दर्ज किए गए हैं। यहां से लोग अफ्रीका के कैमरून गए थे। यह नया वेरिएंट ऐसे समय पर मिला है जब दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में कोरोना का ओमीक्रोन वेरिएंट फैला हुआ है।

चीन में निर्मित विमान नेपाल एयरलाइंस को बना रहे कंगाल

छह विमानों का इस्तेमाल किया बंद

काठमांडू। (एजेंसी)

चीन के द्वारा निर्मित विमानों से नेपाल एयरलाइंस को बड़ा चूना लगा है। दरअसल, नेपाल एयरलाइंस ने चीन में बने छह विमानों का इस्तेमाल बंद कर दिया है क्योंकि इनका संचालन करने में कंपनी सक्षम नहीं थी। चीन की पहचान ही ऐसे देश के तौर पर है, जो खराब गुणवत्ता वाली चीजें बनाता है और इनका रखरखाव भी बहुत महंगा होता है।

नेपाल एयरलाइंस कई बार यह दोहरा चुका है कि साल 2014 से 2018 के बीच में खरीदे गए चीन निर्मित विमानों की वजह से कंपनी को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है और इसलिए वह इन विमानों को संचालन से हटाकर आगे किसी तरह के नुकसान से बचना चाहता है। साल 2020 में नेपाल एयरलाइंस के बोर्ड के सदस्यों ने यह फैसला लिया था कि छह साल पहले काठमांडू पहुंचे चीन के बनाए विमानों को अब वह नहीं उड़ाएगा।

नेपाल एयरलाइंस के पास कुल मिलाकर छह चीनी विमान थे। इनमें से 2 एमए60 और 4 वाई.2ई थे। नेपाल को दोनों मॉडल के एक-एक विमान अनुदान में मिले थे। वहीं, दोनों सरकारों के बीच समझौते के तहत नेपाल ने चार विमान खरीदे थे। इनमें

1 एमए60 और 3 वाई12ई शामिल हैं। हालांकि, नेपाल ने साल 2018 में एक दुर्घटना की वजह से एक वाई12ई विमान खो दिया था। खबरों के मुताबिक, नेपाल एयरलाइंस के एक अधिकारी के मुताबिक इन विमानों का संचालन अभी और भविष्य दोनों में ही नेपाल के लिए फायदेमंद नहीं है। अधिकारी ने बताया, 'हम इन विमानों के संचालन में तकनीकी खराबी का सामना कर रहे हैं। इन विमानों को चलाने के लिए विशेष कौशल वाले पायलटों की भी जरूरत है, जिनकी कमी है। चीन में पायलट हैं लेकिन भाषाई बाधाओं की वजह से नेपाल में पायलटों की ट्रेनिंग संभव नहीं।'

अधिकारी ने नाम जाहिर न करने की शर्त पर यह भी बताया कि इस मामले में नेपाल ने चीन से संपर्क भी किया लेकिन बीजिंग की ओर से कोई मदद नहीं मिली। नेपाल एयरलाइंस के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर रोजाना नेपाली पायलटों की ट्रेनिंग को लेकर मीटिंग कर रहे हैं लेकिन अभी तक उसपर कोई फैसला नहीं लिया गया है। समझौते पर जब साइन किए गए थे तब नेपाल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन के पास चीनी एयरक्राफ्ट उड़ाने के लिए कोई प्रशिक्षित पायलट नहीं था और अब छह साल बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस है। नेपाल एयरलाइंस के अधिकारी ने यह भी बताया कि ये अलग तरह के विमान हैं, जिनके संचालन के लिए अलग ट्रेनिंग की जरूर है। दुर्लभ एयरक्राफ्ट होने की वजह से इसके कल-पुर्जे का मिलना भी मुश्किल होता है। कई एयरक्राफ्ट्स में लगे कल-पुर्जों का वॉरंटी पीरियड भी खत्म हो चुका है। नेपाल एयरलाइंस ने ये विमान लोन पर खरीदे थे लेकिन उसी समय से एयरलाइंस इसका भुगतान करने में सक्षम नहीं है।

टेस्ला ने शिनजियांग प्रांत में खोला शोरूम, समाजिक कार्यकताओं ने नरसंहार के लिए आर्थिक समर्थन को बंद करने का किया आग्रह

बीजिंग। (एजेंसी)

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की कंपनी टेस्ला इंक ने अपने नए शोरूम के लिए उस क्षेत्र को चुना जिसको लेकर देश-दुनिया समेत सामाजिक कार्यकताओं की तरफ से चीन के ऊपर मानवाधिकार हनन और नरसंहार के आरोप लगते रहते हैं। टेस्ला ने शुक्रवार को शिनजियांग की राजधानी उरुमकी में अपना शोरूम खोलने की घोषणा अपने चीनी सोशल मीडिया अकाउंट पर करते हुए कहा, ₹चलो शिनजियांग की इलेक्ट्रिक यात्रा शुरू करते हैं! लेकिन टेस्ला के इस ऐलान के साथ ही इसका विरोध शुरू हो गया है और अमेरिका व सामाजिक कार्यकर्ता एलेन मस्क से शिनजियांग प्रांत में खोले गए शो रूम को बंद करने की अपील कर रहे हैं।

नरसंहार के लिए आर्थिक समर्थन को बंद करने का आग्रह

वाशिंगटन, डीसी में स्थित काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस ने टेस्ला और उसके हेड एलोन मस्क से शोरूम को बंद करने और ₹नरसंहार के लिए आर्थिक समर्थन को बंद करने₹ का आग्रह किया। परिषद के संचार निदेशक इब्राहिम हूपर ने एक बयान में कहा कि किसी भी अमेरिकी कंपनी को ऐसे क्षेत्र में व्यवसाय नहीं करना चाहिए, जो एक धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक को लक्षित करने वाले नरसंहार अभियान का केंद्र है। वहीं सामाजिक कार्यकताओं ने टेस्ला कंपनी से चीन के उत्तर-पश्चिमी प्रांत शिनजियांग में खोले गए एक नए शोरूम को बंद करने की अपील की है, जहां अधिकारियों द्वारा ज्यादातर मुस्लिम जातीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ दुर्व्यवहार का आरोप है।

शिनजियांग में टेस्ला का 211वां चीनी शोरूम

साल 2004 में एलन मस्क ने कारों की दुनिया में क्रांति लाते हुए इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला शुरू कीथी। टेस्ला आज इलेक्ट्रिक कार की दुनिया में अग्रणी कंपनी है। बता दें कि 2021 में एलन मस्क दुनियाके सबसे अमीर व्यक्ति बने हैं। इलेक्ट्रिक कार निमार्ता टेस्ला ने शिनजियांग में अपना 211वां चीनी शोरूम खोला है। जबकि अन्य अंतरराष्ट्रीय कंपनियां कथित मानवाधिकार हनन के कारण इस क्षेत्र से हट गई हैं।

अमेरिका का सख्त संदेश

व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि निजी क्षेत्र की कंपनियां जो अपनी आपूर्ति श्रृंखला के भीतर जबरन मजदूरी और मानवाधिकारों के हनन को संबोधित करने में विफल रहती हैं, उन्हें अमेरिका में गंभीर कानूनी परेशानियों और ग्राहक जोखिम का सामना करना पड़ता है। अमेरिकी काउंसिल ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक ट्वीट के जरिए साफ शब्दों में यह तक लिख दिया है कि ₹एलन मस्क को टेस्ला के शिनजियांग शोरूम को बंद करना पड़ेगा। गौरतलब है कि पिछले कई महीनों से अमेरिका लगातार शिनजियांग में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले चीनी दमन का विरोधकर रहा है और अमेरिका पहले ही शिनजियांग प्रांत में बनने वाले प्रोडक्स पर प्रतिबंध लगा चुका है ।इसके साथ ही अमेरिका ने शीतकालीन बीजिंग ओलंपिक का भी डिप्लोमेटिक बहिष्कार कर दिया है,जिसका आयोजन अगले महीने से होने वाला है।

नाइक, एडीडास और एच एंड एम जैसे बड़े ब्रांड्स ने उठाया शिनजियांग का मुद्दा

स्वीडिश ब्रांड एच एंड एम ने शिनजियांग प्रांत में मजदूरों की हालत को लेकर चिंता जताई थी। फैशन वियर बनाने वाली कंपनी एच एंड एम ने एक बयान जारी कर जबरन मजदूरी पर बयान दिया था। कंपनी की तरफ से कहा गया था कि वो उन रिपोर्ट्स को लेकर खासी परेशान है जिसमें शिनजियांग प्रांत में जबरन मजदूरी के आरोप लगाए गए हैं। एच एंड एम की तरफ से यह भी कहा गया था कि वो अब शिनजियांग से कॉटन नहीं खरीदेगी। स्पोर्ट्स वियर बनाने वाली कंपनी नाइक और एजीडास ने भी एच एंड एम का समर्थन किया था।

मास्क से बचने महिला ने उतारे कपड़े!

ब्यूनस आयर्स । एक महिला का वीडियो वाइरल हुआ है जिसने मास्क से बचने के लिए अपने कपड़े ही उतार दिए। हाल ही में मिली जानकारी के मुताबिक नए साल के पहले दिन महिला अर्जेंटीना के एक आइसक्रीम पार्लर में प्रवेश करती है जिसे देखकर सभी चौंक उठते हैं। महिला ने सिर्फ अंडरगार्मेंट्स ही पहन रखे थे क्योंकि वह अपनी ड्रेस का इस्तेमाल फेस मास्क के रूप में करना चाहती थी। यह अजीबोगरीब दृश्य 1 जनवरी को रात करीब 10:40 बजे पश्चिमी अर्जेंटीना के मेंडोजा प्रांत के गोडॉय क्रूज़ शहर में देखा गया था। पार्लर की सीसीटीवी फुटेज में महिला के अलावा एक पिता भी अपनी तीन बेटियों के साथ आइसक्रीम खरीदने के लिए काउंटर के पास खड़े हैं कि तभी महिला पार्लर में प्रवेश करती है। वीडियो में नजर आ रहे शख्स का मास्क उसकी नाक के नीचे था इसके बाद भी उसे आइसक्रीम खरीदने की अनुमति मिल गई। अपनी ड्रेस को अपने मुंह पर बांधने का प्रयास करती महिला से मास्क पहनने के लिए कहा गया जिसका महिला ने विरोध किया। आखिर महिला ने अपना इरादा बदल दिया और वह पार्लर से बाहर चली गई। अर्जेंटीना की स्थानीय मीडिया के अनुसार महिला अपने 10 दोस्तों के साथ आइसक्रीम पार्लर पहुंची थी जिनमें से किसी के पास भी मास्क नहीं था। महिला के नाम का खुलासा नहीं हो पाया है। खबरों के मुताबिक उसने स्टाफ के सदस्यों से कहा कि मुझे मास्क के लिए मत टोको, मैं इसे लगा रही हूं। कहा जा रहा है कि उस ग्रुप में किसी ने मास्क का जुगाड़ किया जिसके बाद उन्होंने 11 आइसक्रीम खरीदीं। इससे पहले एक महिला के बिकीनी पहनकर एयरपोर्ट पहुंचने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया गया था। लोगों ने कहा था कि वह सीधे पार्टी से फ्लाइट पकड़ने के लिए एयरपोर्ट आ गई है।

दिल्ली में ओमीक्रोन से अब तक कोई मौत नहीं, आए 457 केस: जैन

लोगों से मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील

■ नई दिल्ली

कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमीक्रोन से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली में किसी भी व्यक्ति की ओमीक्रोन से अब तक मौत नहीं हुई है। विशेषज्ञों ने भी स्पष्ट किया है कि कोरोना का ओमीक्रोन वेरिएंट माइल्ड और कम घातक है। यह बात दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को प्रेस को संबोधित करते हुए कही। जैन ने कहा कि दिल्ली में ओमीक्रोन से अब तक 457 मरीज संक्रमित हुए हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी भी ओमीक्रोन संक्रमित मरीज को ऑक्सीजन सपोर्ट या वेंटिलेटर की आवश्यकता नहीं पड़ी है। उन्होंने दिल्ली के लोगों से यह आग्रह किया कि गंभीर लक्षण होने पर ही अस्पताल जाएं। दिल्ली के अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में बेड उपलब्ध हैं और घबराने वाली कोई बात नहीं है। सामान्य लक्षण होने पर अस्पताल आने की आवश्यकता नहीं है। इसका होम आइसोलेशन में इलाज संभव है। स्वास्थ्य मंत्री ने कोरोना पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि दिल्ली में कोरोना का ओमीक्रोन वेरिएंट बहुत तेजी से फैल रहा है, परंतु घबराने की जरूरत नहीं है। कोरोना के रोकथाम के लिए मास्क लगाना और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना ही बचाव का सबसे बेहतरीन उपाए है। स्वास्थ्य मंत्रालय की नई दिशानिर्देश के अनुसार कम या साधारण लक्षण वाले और एसिम्टोमेटिक मरीजों को डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं है। एसिम्टोमेटिक मरीजों का घर पर ही होम आइसोलेशन में इलाज किया जा सकता है।

पॉजिटिव आने पर न भागें अस्पताल, घर पर ही रहें

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि बड़ी संख्या में लोग पॉजिटिव आते ही अस्पताल पहुंच रहे हैं, जिससे पैनिक बढ़ रहा है। उन्होंने दिल्ली की जनता से अपील करते हुए कहा कि पॉजिटिव आने पर अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं है। घर पर ही रहें। दिल्ली सरकार की टीम आपको फोन करेगी और होम आइसोलेशन में ही आपका इलाज चलेगा। अस्पताल सिर्फ उन लोगों को ही आने की जरुरत है, जिन में गंभीर लक्षण हो।

कैसे पहचानें, किस स्थिति में अस्पताल जाने की है जरूरत

1. सांस लेने में दिक्कत होना
2. 3 दिनों से अधिक लगातार 100 फारेनहाइट से ज्यादा बुखार आना
3. ऑक्सीजन लेवल में कमी होना, (एसपीओ 293 प्रतिशत से नीचे जाने या सांस लेने की दर 24/मिनट ज्यादा हो)
4. छाती में लगातार दर्द/दबाव होना
5. मानसिक भ्रम या उत्तेजना में असमर्थता होना
6. लगातार शरीर में गंभीर थकान महसूस होना

तैयारी

एलएनजेपी अस्पताल में कोरोना की तीसरी लहर आने की संभावना के मद्देनजर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी कड़ी में कोरोना मरीजों के लिए तैयारियां करते हुए अस्पताल के कर्मचारी।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चारबाग रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

■ नई दिल्ली

यात्री सुविधाओं सहित प्रगतिशील कार्यों एवं परियोजनाओं की जानकारी ली

उत्तर रेलवे का लखनऊ मण्डल अपनी ऐतिहासिक आध्यात्मिक एवं राजनैतिक महत्ता के कारण भारतीय रेल पर एक विशेष स्थान रखता है। लखनऊ स्थित चारबाग रेलवे स्टेशन अपनी बेमिसाल खूबसूरती के कारण विश्व की शानदार इमारतों में से एक के रूप में जाना जाता है। उत्तर प्रदेश की राजधानी होने एवं अपनी ऐतिहासिक धरोहरों के कारण लखनऊ शहर के इस स्टेशन पर प्रतिदिन असंख्य यात्रियों एवं पर्यटकों का आवागमन होता है साथ ही देश के पूर्व, पश्चिम तथा दक्षिण भागों को जोड़ने के कारण लखनऊ मण्डल का महत्तव और अधिक बढ़ जाता है। यह मण्डल भारतीय रेल के अति व्यस्ततम मंडलों में से एक है, अतः इस स्टेशन के महत्तव को देखते हुए गुरूवार को रेल मंत्री भारत सरका अश्विनी वैष्णव ने अपने लखनऊ आगमन के अंतर्गत चारबाग स्थित उत्तर रेलवे लखनऊ स्टेशन का गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरान रेल मंत्री ने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए इन सुविधाओं के आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण की दिशा में चल रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की एवं इस सम्बन्ध में अपने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए साथ ही यात्रियों से संवाद भी किया। इस दौरान उच्चाधिकारियों ने रेलमंत्री को स्टेशन एवं परिसर के री-डेवलपमेंट एवं यार्ड री-मॉडलिंग के संबंध में आवश्यक जानकारी से अवगत कराया गया। उल्लेखनीय है की स्टेशन परिसर का री-डेवलपमेंट आरएलडीए द्वारा किया जा रहा है एवं यार्ड री-मॉडलिंग का कार्य रेलवे के निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त रेलमंत्री ने अन्य प्रगतिशील विभिन्न विकास कार्यों एवं परियोजनाओं से अवगत होकर इनकी समीक्षा करते हुए इस सम्बन्ध में अपने सुझाव एवं निर्देश दिए। रेलमंत्री ने यात्री सेवा ही सर्वोत्तम सेवा के मूलमंत्र का अनुसरण करते हुए सुरक्षा, संरक्षा,समयबद्धता तथा उच्चतम यात्री सेवाओं की उपलब्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करते हुए रेलकर्मियों से अपनी रेलसेवा करने की बात कही साथ ही स्टेशन पर निर्माणाधीन समस्त कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ यथा समय पूर्ण करने पर विशेष बल दिया। इस मौके पर संसद सदस्य राज्य सभा अशोक बाजपेई, महाप्रबंधक उत्तर रेलवे आशुतोष गंगल, महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे, अनुपम शर्मा, महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, प्रमोद कुमार, महानिदेशक आरडीएसओ संजीव भूटानी सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

पहलवान हत्या मामले में एक और गिरफ्तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

गिरफ्तारी

मामले में ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार को पहले ही है गिरफ्तार।

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने छत्रसाल स्टेडियम मारपीट मामले में 24 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। घटना में एक पहलवान की मौत हो गई थी और उसके दो दोस्त घायल हो गए थे। गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त (स्पेशल सेल) जसमीत सिंह ने बताया कि आरोपी प्रवीण डबास सुल्तानपुर डबास गांव का रहने वाला है और उस पर 50,000 रुपए का इनाम घोषित था। इस मामले में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जसमीत सिंह ने बताया कि डबास के अपने एक सहयोगी से मिलने गांव आने की सूचना पर पुलिस ने सोमवार को गांव में प्रेम प्याऊरोड के पास आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी के मुताबिक डबास ने पुलिस को बताया कि उसने कुमार और उसके 18 से 20 साथियों के साथ हॉकी स्टिक और लाठियों से अपने प्रतिद्वंद्वी समूह के सदस्यों की छत्रसाल स्टेडियम में पिछले साल चार और पांच मई की दरम्यानी रात पिटाई की थी। हमले में सागर धनखड़, सोनू महल, अमित और समूह के अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

सिंह ने कहा कि हमले को कुमार और उसके सहयोगियों ने अपने प्रतिद्वंद्वी समूह के सदस्यों के साथ बदला लेने और क्षेत्र में अपना प्रभुत्व स्थापित करने के लिए किया था। पुलिस ने कहा कि अगले दिन अस्पताल में धनखड़ की मौत हो गई थी। धनखड़ कुख्यात अपराधी काला जठेड़ी का भतीजा था। कुमार को नीरज बवाना गिरोह का समर्थन प्राप्त था। डीसीपी ने बताया कि मामले में अब तक कुल 18 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

25 जनवरी तक होंगे मेडिकल कॉलेज में पंजीकरण

■ नई दिल्ली

एमबीबीएस की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए डब्ल्यूआरसी एजुकेशन सर्विसेज कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसके तहत जो छात्र नेपाल से एमबीबीएस करना चाहते है वे आगामी 25 जनवरी तक नेपाल के मेडिकल कॉलेज में पंजीकरण करा सकते है। यह जानकारी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान डब्ल्यूआरसी एजुकेशन सर्विसेज के अध्यक्ष सुदीप कुमार नायक, डायरेक्टर संजय कौशिक ने दी। इस अवसर पर कॉलेज ऑफ मेडिकल सांइस नेपाल से डॉ. नटराज प्रसाद बताया कि दुनिया में महामारी के कारण लॉकडाउन की परिस्थिति बनी रहती हैं। जिसके कारण मेडिकल स्टूडेंट के कैरियर पर काफी असर पड़ता हैं। भारत की तरह नेपाल के मेडिकल कॉलेज में बच्चों को मेडिकल की थ्योरिटिकल व प्रैक्टिकल की शिक्षा प्रदान की जाती हैं।

उन्होंने बताया कि भारत के अनुसार नेपाल कॉलेज में बच्चों की मेडिकल शिक्षा में कम खर्च होता हैं। गरीब बच्चों को स्कॉलरशिप भी दी जाती है। भारत से जो भी मेडिकल स्टडी का विद्यार्थी नेपाल में मेडिकल शिक्षा प्राप्त करना चाहता है तो भारतीय शिक्षा के अनुसार नेपाल में कम शुल्क में कर दाखिला ले सकते है।

अनुदान कटौती और वेतन को लेकर डूटा ने की हड़ताल

■ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार की ओर से वित्तपोषित 12 कॉलेजों में की गई अनुदान कटौती के कारण हजारों शिक्षक, कर्मचारी पिछले दो से छह माह के वेतन की बाट जोह रहे हैं। इतना ही नहीं इन कॉलेजों में पिछले दो वर्षों से चिकित्सा बिलों, विभिन्न भत्ते, सातवें वेतन आयोग के लागू होने के बाद देय बकाया भुगतान राशि सहित अन्य बकाया राशि का भुगतान शिक्षकों व कर्मचारियों को नहीं किया गया है।

यह बात डूटा के अध्यक्ष प्रोफेसर अजय कुमार भागी ने गुरुवार को आयोजित एक दिवसीय हड़ताल के दौरान कही। सरकार द्वारा जिस तरह कोरोना संकट के इस मुश्किल समय में शिक्षकों व कर्मचारियों के साथ इन 12 कॉलेजों में अनावश्यक रूप से वित्तीय संकट पैदा कर अमानवीय व्यवहार कर रही है। उससे दिल्ली सरकार के शिक्षा के मॉडल की पोल खुल गई है और अब साफ हो गया है कि केजरीवाल सरकार शिक्षा व शिक्षक विरोधी है। भागी ने कहा सरकार द्वारा वित्त पोषित यह 12 कॉलेज आर्थिक रूप से बीमार हो चुके हैं और इससे मुख्यमंत्री और मनीष सिसोदिया के पाखंड खुल गई है। प्रोफेसर अजय कुमार भागी ने इन 12 कॉलेजों का प्रभार एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर, दिल्ली सरकार के कर्मचारियों को मौजूदा कर्तव्यों के अलावा सौंपने के संबंध में जारी आदेश की भी निंदा की।

फल-सब्जी की आपूर्ति किसी भी सूरत में नहीं होगी प्रभावित

वीकेंड कर्फ्यू के लिए जारी हुआ पास

■ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना के बढ़ते हुए मामलों के बीच पूरी सुरक्षा के साथ मंडी प्रशासन लोगों को फल और सब्जियां उपलब्ध करवाएगा। कोरोना की रोकथाम के लिए लगाए जा रहे वीकेंड कर्फ्यू में किसी व्यापारी या सामान लाने वालों को परेशानी न हो इसके लिए कर्फ्यू पास भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। फल और सब्जी सभी की जरूरत है। इसकी आपूर्ति किसी भी सूरत में प्रभावित नहीं होने देना हमारा पहला कर्तव्य है। यह कहना है आजादपुर मंडी के चेयरमैन आदिल अहमद खान का। गुरुवार को कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए उन्होंने ओखला मंडी में स्थानीय एसडीएम, पुलिस और मंडी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में कोरोना से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन कराने का निर्देश दिया। बैठक में उन्होंने कहा कि कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच भी हम अपने फर्ज को पूरी तरह से निभाएंगे।

इस जिम्मेदारी को मजबूती से निभाने के लिए कोविड नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। आदिल अहमद खान ने कहा कि कोरोना से घबराने की जरूरत नहीं, केवल सावधानी ही इसका बचाव है, सभी लोग मास्क लगाएं और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, तो इस बीमारी से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि मंडी में कोरोना से बचाव के लिए बड़े स्तर पर जागरुकता अभियान चलाया जाएगा लोगों को बताया जाएगा कि कैसे इससे बच सकते हैं।

लोगों को दिए जाएंगे मास्क

खान ने कहा कि मंडी में काम कर रहे मजदूरों व लोगों को मास्क वितरित किए जाएंगे। साथ ही लोगों को मास्क लगाने के लिए भी कहा जाएगा। मंडी में जो लोग बिना मास्क के घूमते हुए नजर आएंगे उनका चालान काटा जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना से बचाव में मास्क काफी असरदार है। इसे पहनने से हम तो सुरक्षित होंगे दूसरे भी हमसे सुरक्षित रहेंगे।

मंडी का किया जाएगा सैनिटाइजेशन

मंडी चेयरमैन ने बताया कि कोरोना से बचाव के लिए मंडी में सैनिटाइजेशन का काम तेजी से किया जाएगा। जहां भी हमें संभावनाएं ज्यादा दिखेंगी उन जगहों पर ज्यादा से ज्यादा बार सैनिटाइजेशन का काम किया जाएगा।

ओछी स्तर की राजनीति पर उतरी भाजपा: प्रेरणा सिंह

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में भाजपा ओछी और घटिया राजनीति पर उतर आई है। इस पार्टी के क्षेत्रीय नेताओं के साथ-साथ अब सांसद तक कांग्रेस जन प्रतिनिधियों द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों का श्रेय लेने पर उतर आए है। ऐसा ही एक मामला उत्तरी दिल्ली नगर निगम के शहरी एवं सदर पहाड़ गंज जोन के रामनगर वार्ड का सामने आया है जिसमें भाजपा सांसद डॉ. हर्षवर्धन ने गुरूवार को आनन-फानन में आराकशा रोड़ के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया जबकि इस कार्य की योजना क्षेत्रीय कांग्रेस पार्षद सुलक्षणा द्वारा बनवाई गई थी।

इस बारे में उत्तरी दिल्ली नगर निगम में कांग्रेस दल की नेता प्रेरणा सिंह ने भाजपा नेताओं के इस घटिया स्तर के कार्य की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि जब सांसद स्तर के नेता ऐसी ओछी राजनीति करेगें तो भाजपा क्षेत्रीय स्तर के नेताओं को क्या सीख देगें।

प्रेरणा सिंह ने कहा कि रामनगर वार्ड की कांग्रेस पार्षद सुलक्षणा ने अपने अथक प्रयास से आराकशा रोड, कुतुब रोड से मुल्तानी ढांडा के निर्माण की योजना बनवाई थी।

निगम के परियोजना विभाग द्वारा इस कार्य को किया जाना था और कार्य पर गैर-योजना मद से करीब 80 लाख रुपये खर्च होने थे। इस कार्य का शुभारंभ 7 जनवरी को किया जाना था।

200 स्टेशनों में रेलवायर कियोस्क पर रिचार्ज, बिल का भुगतान करने की सुविधा मिलेगी

■ नई दिल्ली

देश के 200 रेलवे स्टेशनों के यात्री जल्द ही रेलटेल द्वारा स्थापित किए जाने वाले कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) कियोस्क की मदद से अपने मोबाइल रिचार्ज कर सकेंगे, बिजली बिलों का भुगतान कर सकेंगे, आधार और पैन कार्ड फॉर्म भर सकेंगे और टैक्स का भी भुगतान कर सकेंगे। रेलटेल ने एक बयान में कहा है कि इस योजना को सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड (सीएससी-एसपीवी) और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है। कियोस्क ग्रामीण स्तर के उद्यमियों (वीएलई) द्वारा संचालित किए जाएंगे। बयान में कहा गया, सीएससी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में यात्रा टिकट (ट्रेन, हवाई, बस), आधार कार्ड, वोटर कार्ड, मोबाइल रिचार्ज, बिजली बिल भुगतान, पैन कार्ड, आयकर, बैंकिंग, बीमा और कई अन्य की बुकिंग शामिल है। कियोस्क का नाम रेलवायर साथी कियोस्क रखा गया है। रेलवायर रेलटेल की खुदरा ब्रॉडबैंड सेवा का ब्रांड नाम है। बयान में कहा गया है कि सबसे पहले, उत्तर प्रदेश के वाराणसी सिटी और प्रयागराज सिटी स्टेशनों पर रेलवायर साथी सीएससी कियोस्क को परीक्षण आधार पर चालू किया गया है। इसी तरह के कियोस्क लगभग 200 रेलवे स्टेशनों पर ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से संचालित किए जाएंगे। इनमें से 44 कियोस्क दक्षिण मध्य रेलवे जोन में, 20 पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में, 13 पूर्व मध्य रेलवे में, 15 पश्चिम रेलवे में, 25 उत्तर रेलवे में, 12 पश्चिम मध्य रेलवे में हैं, 13 पूर्व तट रेलवे में और 56 पूर्वोत्तर रेलवे जोन में होंगे। रेलटेल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) पुनीत चावला ने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को अक्सर विभिन्न ई-गवर्नेंस सेवाओं का लाभ उठाने या बुनियादी ढांचे,संसाधनों की कमी के साथ-साथ इंटरनेट का उपयोग करने की जानकारी की कमी के कारण डिजिटलीकरण का लाभ उठाने में मुश्किल होती है। ए रेलवायर साथी कियोस्क ग्रामीण आबादी की मदद के लिए ग्रामीण रेलवे स्टेशनों पर इन आवश्यक डिजिटल सेवाओं को पहुंचाएंगे।

दिल्ली में स्थगित हुई मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ रहे कोरोना के मामलों को देखते हुए दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना स्थगित कर दिया है।इस योजना के तहत दिल्ली के लोगों को तीर्थ यात्रा के लिए सरकार के खर्च से कई तीर्थ स्थलों पर दर्शन के लिए ले जाया जाता था। योजना के तहत जनवरी महीने में 11 ट्रेनों द्वारा यात्रियों को ले जाने की योजना फिलहाल रद्द कर दी गई है। यात्रियों

दिल्ली में 15 फीसद के पार पहुंची संक्रमण दर

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामलों के साथ गुरुवार को संक्रमण दर 15 फीसद को पार कर गई। बुधवार के मुकाबले मामले भी डेढ़ गुना बढ़ गए हैं। वहीं 6 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में बढ़ते मामलों के साथ एक्टिव केस की संख्या 31 हजार को पार कर गए जिसमें एक हजार से ज्यादा मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं।

आईपी के बीबीए-लॉ प्रोग्राम के लिए आज होगी काउंसलिंग

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी के बीबीए, एलएलबी, बीए, एलएलबी और बीबीए प्रोग्राम में दाखिले के लिए 7 जनवरी को द्वारका कैम्पस में ओपन हाउस ऑफ लाइन काउन्सलिंग का आयोजन किया गया है। इन प्रोग्राम में दाखिला लेने का यह आखिरी अवसर है।

आपको बात दें कि बीए एलएलबी, बीबीए एलएलबी में दाखिला सीएलएटी के स्कोर पर होगा और बीबीए में दाखिला एंट्रन्स परीक्षा के स्कोर पर होगा। जिन्होंने लोगों ने अभी तक इन प्रोग्राम में दाखिला नहीं लिया है वे

आरपीएफ ने 2021 में रेलवे परिसर में 601 लोगों की जान बचाई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 2021 के दौरान 601 लोगों की जान बचाई और 630 अन्य को मानव तस्करों से बचाया। आरपीएफ द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक बयान से यह जानकारी मिली। आरपीएफ कर्मियों ने पिछले साल 23 करोड़ रुपए से अधिक का सामान बरामद किया और 522 ऑक्सीजन स्पेशल ट्रेनों को सुरक्षा प्रदान की।

आरपीएफ ने ट्रेनों और स्टेशनों पर कोविड-उपयुक्त व्यवहार को लागू करना भी सुनिश्चित किया। बयान में कहा गया है कि ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। पिछले साल आरपीएफ कर्मियों ने 601 लोगों की जान बचाई। मार्च 2021 में भखारी रेलवे स्टेशन, एनसीआर (उत्तर प्रदेश) में आत्महत्या का प्रयास करने वाली एक महिला को बचाते हुए हेड कांस्टेबल ज्ञान चंद की मौत हो गई। मिशन जीवन रक्षा के तहत आरपीएफ ने पिछले चार वर्षों में।,650 लोगों की जान बचाई है।

राष्ट्रपति द्वारा आरपीएफ कर्मियों को जीवन बचाने में उनके प्रयासों को चिह्नित करने के लिए पिछले चार वर्षों में नौ जीवन रक्षा पदक और एक वीरता पदक से सम्मानित किया गया। रेलवे सुरक्षा बल ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए देश के प्रमुख रेलवे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घायु के लिए महामृत्युंजय जाप

■ नई दिल्ली

दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों, सामाजिक संस्थाओं एवं महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घायु के लिए महामृत्युंजय का जाप कर पूजा की गई।

विभिन्न स्थानों पर हुए महामृत्युंजय जाप में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह एवं दुष्यंत गौतम, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली प्रदेश के प्रभारी बैजयंत जय पांडा, भाजपा के विदेश मामलों के प्रभारी विजय चौथाईवाले, प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन सहित अन्य पदाधिकारी सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने महामृत्युंजय का जाप किया। दिल्ली कनॉट प्लेस स्थित शिव मंदिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दीर्घायु के लिए हुए महामृत्युंजय जाप में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता शामिल हुए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घायु की कामना की।

जन-जन को मुख्यधारा में जोड़ने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सभी तरह की परिस्थितियों से निपटने में सबल मिले और राष्ट्र सेवा में वे और दोहरी ऊर्जा के साथ तत्पर रहें इसके लिए दिल्लीवालों ने यह महामृत्युंजय का जाप किया। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं और जिस तरह से उनकी जान को खतरे में डाला गया इससे कांग्रेस की मानसिकता का पता चलता है। उन्होंने कहा कि देश का प्रधानमंत्री किसी पार्टी का नहीं बल्कि पूरे देश का होता है और वह उस देश की धरोहर होता है जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी हर एक नागरिक की होनी चाहिए।

संपादकीय

चीन के इरादे

गलवान घाटी में संघर्ष के बाद चले लंबे गतिरोध के बीच खबर आई कि भारतीय व चीनी सैनिकों ने दस चौकियों पर नये साल के मौके पर मिठाइयां बांटी। उम्मीद जगी थी कि दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ अब पिघलने को है। लेकिन तभी चीन सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स द्वारा एक चित्र सोशल मीडिया पर जारी किया गया, जिसमें चीनी राष्ट्रीय ध्वज लहराते सैनिकों को गलवान घाटी में बताया गया। साथ ही चीनी सैनिकों का वीडियो भी मंदारिन भाषा में जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि हम एक इंच जगह भी नहीं छोड़ेंगे। इस फोटो के साझा होने के बाद विपक्ष मोदी सरकार पर हमलावर हुआ और राहुल गांधी ने ट्विट करके प्रधानमंत्री से तीखे सवाल पूछे। इससे पहले भारत प्रशासित अरुणाचल के क्षेत्रों व नदियों के नाम बदलने की चीनी कोशिश को भारत ने कपोल-कल्पना बताकर खारिज किया था। ऐसे में चीन की अविश्वसनीय चालों के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। एक ओर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थित चौकियों पर मिठाइयों का आदान-प्रदान और फिर भारत के इलाकों पर कुदृष्टि। तथ्य सार्वजनिक है कि पीएलए वास्तविक नियंत्रण रेखा पर लगातार स्थायी बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रही है। चीन को अपने इलाके में निर्माण का हक है लेकिन वह किसके लिये कर रहा है? इस सीमा पर कोई दूसरा देश भी नहीं है, जिससे चीन के दीर्घकालिक घातक मंसूबों का पता चलता है। अभी उपग्रह से मिलने वाली कुछ तस्वीरों के आधार पर मीडिया में खबर आई कि चीन पैंगोंग त्सो झील पर एक पुल का निर्माण कर रहा है जो तिब्बत-शिनजियांग राजमार्ग की दूरी 180 किलोमीटर घटा देगा, जिससे चीन की सेना को उत्तर और दक्षिण किनारे के बीच तेजी से सैनिकों की तैनाती में मदद मिलेगी। इसी उकसावे की कार्रवाई में चीन ने सेला पास, अरुणाचल के आठ गांवों और कस्बों, चार पहाड़ों और दो नदियों का नाम बदलकर उन्हें दक्षिण तिब्बत नाम दे दिया। दरअसल, चीन भारत सरकार की ओर से वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगते क्षेत्र पर किये जा रहे सामरिक निर्माण से बौखलाया हुआ है। भारत के सीमा सड़क संगठन द्वारा निर्मित की जा रही सेला सुरंग के इस साल जून तक तैयार हो जाने की उम्मीद है। दरअसल, इस सुरंग के जरिये अरुणाचल के तवांग में भारतीय सैनिकों की तेजी से आवाजाही में मदद मिलने वाली है। दरअसल, तवांग चीन सीमा से लगा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जिला है। यह वही तवांग सेक्टर था जहां पिछले साल अक्तूबर में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच टकराव हुआ था। उसके बाद कोर कमांडर स्तर की सैन्य वार्ता का 13वां दौर गतिरोध में समाप्त हुआ था। यही वजह है कि भारत सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों में दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित करने के लिये गंभीर बातचीत न करने के लिये बीजिंग को जिम्मेदार ठहराती रही है। निस्संदेह, इस स्थिति में भारत को बेहद चौकस रहते हुए एलएसी के साथ बुनियादी ढांचे के विस्तार को प्राथमिकता देनी चाहिए। दरअसल, इस इलाके में प्रतिरक्षा तैयारियों में तेजी लाने तथा रूस से अत्याधुनिक वायुरक्षा मिसाइल प्रणाली हासिल करने की कवायद चीन को परेशान कर रही है। हालांकि इसके बावजूद चीन की उकसावे की कोशिशों के बीच संयम बरतना भारत के लिए एक चुनौती होगी। फिर भी चीन के हर दुस्साहस का कड़ा जवाब दिया जाना होगा। विगत के अनुभवों को देखते हुए क्षेत्र में शक्ति संतुलन के लिये भारत की रक्षा तैयारियों से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। हालांकि, भारतीय सैनिकों के गलवान घाटी में तिरंगा लहराने का चित्र सरकार द्वारा जारी करने के बाद चीनी मीडिया बचाव की मुद्रा में नजर आ रहा है। दलील दे रहा है कि सीमा पर गोलियों के बजाय मिठाई का आदान-प्रदान अच्छा है। यह भी कि भारतीय विपक्ष अपने राजनीतिक हितों के लिये सामरिक नीतियों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा है। वहीं कूटनीतिज्ञ कह रहे हैं कि इस साल राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपने तीसरे ऐतिहासिक कार्यकाल के लिये मैदान में उतरेंगे, इसीलिए वे घरेलू जनता व नेशनल पीपल्स कांग्रेस में अपनी राष्ट्रवादी नेता की छवि बनाने के लिये ऐसे हथकंडे अपना रहे हैं।

सद्भाव बिगाड़ने का मंसूबा

मुंबई साइबर पुलिस ने 'बुली बाई' ऐप मामले में उत्तराखंड के रुद्रपुर से मंगलवार को एक युवती को हिरासत में लिया और वह सोमवार को बेंगलुरू से इंजीनियरिंग के 21 साल के एक छात्र को पहले ही गिरफ्तार चुकी है। बेंगुलुरू से गिरफ्तार इंजीनियरिंग छात्रको मुंबई साइबर पुलिस ट्रांजिट रिमांड़ पर मुंबई ले गई। अदालत में पेश किए जाने पर उसे 10 जनवरी तक पुलिस की हिरासत में भेज दिया गया है। युवती को भी मुंबई साइबर पुलिस ट्रांजिट रिमांड़ पर मुंबई ले गई है। बुधवार को उसे अदालत में पेशकिया जाएगा। माना जा रहा है कि यह युवती इस मामले की मास्टरमाइंड़ है। वह 'बुली बाई' से जुड़े तीन अकाउंट्स हैंड़ल कर रही थी। 'गिटहब' मंच के ऐप पर 'नीलामी' के लिए सैकड़ों मुस्लिम महिलाओं के चित्रों को छेड़छाड़ करके ड़ाला गया था। युवती के अकाउंट से कईफोटो शेयर की गई। इस संबंध में मुंबई साइबर पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की थी। सोशल मीड़िया प्लेटफार्म ट्विटर और ऐप बनाने का तकनीकी प्लेटफार्म देने वाले गिटहब के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी युवती और इंजीनियरिंग छात्र एक दूसरे को जानते हैं। बताया गया है कि 'बुली बाई' ऐप बनाने और उसे संचालित करने वाले गिरोह में कई और लोग भी शामिल हो सकते हैं। गिरोह के नेपाल कनेक्शन का भी पता चला है। इंजीनियरिंग छात्र विशाल ने 31 दिसम्बर को अपने अकाउंट का नाम बदल कर खालसा कट्टरपंथियों से मिलता-जुलता कर लिया। वह खालसा सुपरमासिस्ट नाम से एक ट्विटर अकाउंट चला रहा था। दरअसल, पहली दफा नहीं है, जब इस प्रकार की सांप्रदायिक तनाव पैदा करने वाली हरकत की गई। इसी साल पंजाब में विधानसभा के चुनाव होने हैं, इसलिए इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि राज्य में समुदायों के बीच वैमनस्य पैदा करने की यह जानी-सूझी कोशिश हो। एक साल से भी कम समय में यह दूसरा मामला है, जब ऐसी हरकत करके समुदायों के बीच सद्भाव बिगाड़ने का कुत्सित प्रयास किया गया है। उस समय भी गिटहब ऐप पर 'सुल्ली ड़ील' नाम से आपत्तिजनक सामग्री अपलोड़ की गई थी। 'बुली बाई' मामले में पुलिस ने जिस मुस्तैदी से कार्रवाई की है, वैसे ही चौकस बने रहना होगा कि सांप्रदायिक तंतुओं को निहित स्वार्थी तत्व छिन्न-भिन्न न करने पाएं।

कटाक्ष/ सहीराम

कालातीत समय

इधर लग रहा है जैसे हम कालातीत समय में रह रहे हैं। कल-परसों ही ऐसा लग रहा था जैसे अपने यहां सतयुग, त्रेता टाइप का युग चल रहा है, जब एकदम दुर्वासा टाइप अंदाज में शाप दिए जा रहे थे। आशीर्वाद तो खैर, आधुनिक काल में भी दिए जाते हैं। बच्चों को जबर्दस्ती अपने से बड़ों तथा गुरुजनों से आशीर्वाद लेने के लिए मजबूर किया जाता है। नेता भी आशीर्वाद लेने में पीछे नहीं रहते। लेकिन शाप लुप्तप्राय: था। अब तो दुर्वासा टाइप के साधु-संत भी शाप देने की बजाय हथियार उठाकर मार-काट मचाने ओर दुश्मनों का सफाया करने का आह्वान कर रहे हैं। अभिशप्त होना तो खैर सामान्य बात है, जैसे नौजवान बेरोजगार होने को, महिलाएं उत्पीड़ित होने को, बुजुर्ग अकेलापन सहने को और बच्चे बस्ते का बोझ उठाने को अभिशप्त हैं। दलित और आदिवासी तो खैर कदीमी अभिशप्त हैं, बल्कि इधर तो विरोध की आवाज उठाने वाले एक्टिविस्ट भी जेलों में सड़ने को अभिशप्त लग रहे हैं। अभिशप्तों की कोई कमी नहीं है, बस शाप ही भूली-बिसरी सी अतीत की बात हो गई थी। लेकिन पिछले दिनों वह लौटा और उसका उसी तरह इस्तेमाल किया गया जैसे सतयुग, त्रेता या द्वापर में किया जाता होगा।

अभी लोग इस शाप से ही डरे हुए थे कि कहीं सचमुच बुरे दिन न आ जाएं। मंदिर आंदोलन की अच्छी बात रही कि वह हमें आधुनिक युग से मध्य युग के बीच झूला झुलाता रहा। झूला झूलने का अपना आनंद होता है, बल्कि बच्चों को तो झूला झूलने से नींद भी अच्छी आती है। लेकिन पिछले दिनों तो हम जैसे सचमुच ही मध्य युग में पंहुच गए जब सरेआम महिलाओं की नीलामी होने लगी, चाहे ऐप ही सही। वैसे तो खाप पंचायतों पर भी मध्ययुगीन होने का आरोप लगा, लेकिन किसान आंदोलन में उन्होंने अपना आरोप धो दिया। ऐसा नहीं है कि इस आधुनिक काल में महिलाओं की खरीद-फरोख्त नहीं थी। महिलाओं और बच्चों की खरीद-फरोख्त सारी आधुनिकता के बावजूद कभी रुकी नहीं। लेकिन महिलाओं की मंडियां पहली बार सजीं। ऐसे तो घोड़ा मंडियों में सांसद और विधायक भी नहीं बिकते थे। कई बार तो यह उत्तर आधुनिक काल भी लगता है। सो प्रागैतिहासिक काल से लेकर उत्तर आधुनिक काल तक सबमें हम एक साथ जी रहे हैं। रही वर्तमान और भविष्य की बात तो जब उनकी बात होती है, तो यही कहा जाता है कि वर्तमान में कुछ धरा नहीं और भविष्य अधंकारमय है।

क्या भारत अब पाक रहित सार्क को खड़ा करे

आर.के. सिन्हा

हैरानी हो रही कि पाकिस्तान क्यों दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (सार्क) सम्मेलन के लिए लंबे समय से लंबित शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत को दावत दे रहा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने हाल ही में यहाँ तक कहा कि यदि भारत बैठक में व्यक्तिगत रूप से भाग नहीं लेना चाहता है तो वह वर्चुअली भी भाग ले सकता है।

पाकिस्तान को भारत को सार्क सम्मेलन में भाग लेने का आमंत्रण देने से पहले यह तो याद कर ही लेना चाहिए था कि उसने 2016 में भारत के तत्कालीन केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह का कितना ठंडा स्वागत किया था। राजनाथ सिंह जब पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सार्क देशों के गृहमंत्रियों की कॉन्फ्रेंस में भाग लेने गए तो वहां उनका बेहद खराब ढंग से स्वागत हुआ। इतना खराब कि गोया पाकिस्तान को मेजबान धर्म का निर्वाह करने की तमीज ही न हो। पाकिस्तान ने एक के बाद एक इस तरह की हरकतें की, जिससे साबित कर चुका है कि उसे पड़ोसी धर्म का निर्वाह करना नहीं आता। पाकिस्तान की इन्ही करतूतों ने सार्क आंदोलन को ही पूरी तरह ही तबाह कर दिया है।

अब अचानक से उसे सार्क सम्मेलन आयोजित करने का ख्याल आ गया है। पाकिस्तान जरा बताए तो सही कि उसने अभी तक मुंबई हमलों के गुनाहगारों को सजा क्यों नहीं दी? उन गुनाहगारों पर चल रहा केस ठंडे बस्ते में क्यों पड़ा है। भारत उससे बार-बार कहता रहा है कि मुंबई हमलों को अंजाम देने की रणनीति बनाने वाले आतंकी हाफिज सईद को तत्काल जेल में डाला जाए। पर पाकिस्तान ने भारत की एक नहीं सुनी।

दरअसल पाकिस्तान आतंकवाद से लड़ने को कभी तैयार ही नहीं हुआ। उसकी कभी ऐसी नीयत ही नहीं रही। दक्षिण एशियाई देशों में आतंकवाद के खात्मे के लिए उसने कभी रुचि नहीं दिखाई। वह तो कश्मीर से लेकर हमारे पंजाब में भारत विरोधी शक्तियों को खाद-पानी देने से भी कभी बाज नहीं आ रहा है।

यह बात बहुत पुरानी नहीं है जब 19वां सार्क शिखर सम्मेलन नवंबर 2016 में इस्लामाबाद में होना था। लेकिन उस साल पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा उरी आतंकी हमले को अंजाम दिया गया था जिसमें 17 भारतीय जवान शहीद हो गए थे। इस हमले के बाद भारत ने सार्क शिखर सम्मेलन में भाग लेने से इनकार कर दिया था। भारत का स्टैंड बिल्कुल सही था। उस देश से बात ही क्या करना जो आतंकवाद को फैक्ट्री बन चुका है।

राजनाथ सिंह को करीब से जानने वाले जानते हैं कि वे सच कहने से कभी पीछे नहीं हटते। उन्होंने इस्लामाबाद में कश्मीर में मारे गए हिज्बुल आतंकी बुरहान वानी की ओर इशारा करते हुए कहा था कि आतंकवाद का महिमामंडन बंद होना चाहिए और आतंकियों को शहीद का दर्जा नहीं दिया जाना चाहिए। आतंकवाद अच्छा या बुरा नहीं होता है। राजनाथ सिंह का इशारा पाकिस्तान की तरफही था। राजनाथ सिंह के इस सीधे वार से पाकिस्तान जल-भुन गया था। लेकिन, आप राजनाथ सिंह को सच बोलने से नहीं रोक सकते।

अब शाह महमूद कुरैशी कह रहे हैं कि सार्क एक 'महत्वपूर्ण मंच' है। भारत ने इस बात से इनकार कब किया है। लेकिन, पाकिस्तान ने सार्क को महत्वपूर्ण ही कब बनने दिया। क्या यह भी कुरैशी साहब बताएंगे?

सार्क की स्थापना 8 दिसंबर, 1985 को भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान ने मिलकर की थी। इसके बाद अप्रैल 2007 में इसमें अफ़ग़ानिस्तान को भी आठवें सदस्य के रूप में जगह मिली। लेकिन, देखने में यह आता है कि सार्क अपने लक्ष्यों की तरफकभी बढ़ ही नहीं सका। इससे सदस्य देशों में किसी भी तरह का आर्थिक सहयोग भी नहीं हुआ। अगर पाकिस्तान को छोड़ दिया जाए तो सार्क के सब देश मिल-जुलकर काम करना चाहते हैं। पाकिस्तान एक तरफसार्क सम्मेलन में भारत को बुला रहा है और दूसरी तरफवह ऑर्गेनाइजेशन ऑफइस्लामिक नेशंस से भारत के खिलाफप्रस्ताव पारित करवाने की कवायद करने से भी कभी बाज नहीं आता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में अपने शपथ ग्रहण समारोह में सार्क राष्ट्रों के नेताओं को आमंत्रित करके इस मृत होते जा रहे संगठन को फिर से जिंदा करने की तगड़ी पहल की थी। तब लगा था कि सार्क एक सशक्त मंच के रूप में उभर जाएगा और दक्षिण एशिया में विकास और सहयोग के नए दौर की शुरुआत होगी। लेकिन, भारत की उम्मीदों पर पाकिस्तान खरा नहीं उतरा। वहां इमरान खान के प्रधानमंत्री बनने के बाद तो भारत विरोध और भी तेज और मुखर होता चला गया। भारत ने वैश्विक महामारी कोरोना से लड़ने में भी सार्क देशों को हरसंभव सहयोग का वादा किया था। कोरोना को हराने के लिए भारत जिस तरह से लड़ा, उसे सार्क देशों समेत सारी दुनिया ने भी देखा।

एक बात तो भारत की कूटनीति पर काम करने वाले विद्वानों और कूटनीतिज्ञों को भी अच्छी तरह समझ में आ ही गई होगी कि सार्क का कोई भविष्य नहीं रहा है। सार्क अपनी उपयोगिता को ही पूरी तरह से खो चुका है। अब यह संगठन सिर्फकागजों पर ही रह गया है। तो भारत के सामने क्या विकल्प हैं? अब भारत का रास्ता साफ है। अब भारत को सार्क में शामिल पाकिस्तान के अतिरिक्त सभी देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूती देनी होगी। उस दिशा में भारत लगातार प्रयासरत है भी। भारत के इन सभी देशों से ठोस और मधुर संबंध हैं। एक विकल्प सार्क देशों के सामने और भी है। सार्क सम्मेलन से पाकिस्तान को बाहर निकाल कर इसे नए सिरे से खड़ा कर सकते हैं। वे देख ही चुके हैं कि पाकिस्तान ने सार्क को किस हद तक हानि पहुंचाई है।

पाकिस्तान की भारत और बांग्लादेश से अदावत की पृष्ठभूमि से सब वाकिफहैं। जहां पाकिस्तान खुद भारत का 1947 से पहले अंग था, वहीं बांग्लादेश 1972 से पहले पाकिस्तान का ही हिस्सा था। आज पाकिस्तान की विदेश नीति का अहम अंग है- भारत-बांग्लादेश का लगातार विरोध। तो बताइये कि भारत या सार्क एक इस तरह के धूर्त देश के साथ कोई कैसे सहयोगपूर्ण संबंधों की उम्मीद कर सकता है। यह असंभव है। इसलिए अब कम से कम भारत को सार्क से आगे की स्थितियों के बारे में गंभीरतापूर्वक सोचना होगा।

> भारत-बांग्लादेश का लगातार विरोध। तो बताइये कि भारत या सार्क एक इस तरह के धूर्त देश के साथ कोई कैसे सहयोगपूर्ण संबंधों की उम्मीद कर सकता है। यह असंभव है। इसलिए अब कम से कम भारत को सार्क से आगे की स्थितियों के बारे में गंभीरतापूर्वक सोचना होगा।

ठेकाकर्मियों की त्रासदी

झूठे आश्वासनों से दम तोड़ती उम्मीदें

लक्ष्मीकांता चावला

कैप्टन अमरिंदर के नेतृत्व में वर्ष 2002 से लेकर 2007 तक पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनी। ठेके पर कर्मचारियों को रखने की बीमारी उसी काल में शुरू हुई। उस समय अकाली-भाजपा के मंच से हम यही कहते थे कि कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सब कुछ ठेके पर दे दिया। अब पुलिस बची है उसे भी ठेके पर दे दीजिए। मगर अकाली-भाजपा सरकार आने के बाद भी हम ठेके की नौकरी की प्रथा से पंजाब को मुक्त नहीं कर सके। आज देश की जवानी का शोषण करने का सरकारी हथियार बन गई। अकाली-भाजपा सरकार के दस वर्ष के कार्यकाल में तो नब्बे प्रतिशत कर्मचारी ठेके पर ही भर्ती किए गए। उन सभी कर्मचारियों को भरोसा दिया गया कि तीन वर्ष पश्चात उन्हें नियमित कर दिया जाएगा। संभवत: 2 प्रतिशत ही कर्मचारी इतने भाग्यशाली रहे कि उन्हें पांच-दस वर्ष बाद नियमित किया गया। शेष जो बेरोजगारी के मारे ठेके की नौकरी की चक्की में पिसने को तैयार हो गए वे प्रौढ़ावस्था में पहुंच रहे हैं, पर उनका वही वेतन, वही अवकाश की शर्तें हैं और काम का बहुत ज्यादा बोझ है। उन्हें कोई भी राहत नहीं मिली। क्या कोई यह अनुमान करेगा कि उन युवाओं को न विवाह के दिन कोई छुट्टी मिली, न पिता या माता बनने पर अवकाश मिला और न बीमारी के लिए कोई सरकारी राहत मिली। जो थोड़ा-बहुत वेतन मिलता था वही उन्होंने उसे किस्मत स्वीकार कर लिया, पर एक आशा रही कि शायद सरकार कभी उन्हें नियमित कर देगी।

शिक्षित जवानी का जितना शोषण सरकारों ने किया, वास्तव में वह राष्ट्रीय अपराध है। इसी कारण देश के बहुत से युवक-युवतियां विदेश के रास्ते पर चल पड़े। इसी सप्ताह प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस ओर देश के युवक चलते हैं उसी ओर देश चलता है। पर आज के युवा तो पासपोर्ट और वीजा दफ्तरों के बाहर खड़े

होकर विदेशों में अपनी किस्मत आजमाने के लिए किसी भी कीमत पर जाने को तैयार हैं। क्या समझा जाए कि हमारा देश भी वहीं किस्मत आजमाएगा?

पिछली सरकारों ने तो पुलिस कर्मचारियों को भी 3 वर्ष केवल दस हजार रुपये वेतन पर रखा। पीसीएस और पीपीएस अधिकारी भी पंद्रह हजार रुपये पर भर्ती किए गए। एक अच्छा घरेलू सहायक भी इतने वेतन में नहीं मिलता। इसके साथ ही पांच वर्ष पहले की दीवाली पर बादल सरकार ने बड़े-बड़े समाचार छपवाए, पंजाब के ठेके पर काम करते कर्मचारियों की नौकरी पक्की की जा रही है। चन्नी सरकार की तरह ही उस सरकार ने भी एक दिन का विधानसभा सत्र बुलाकर वहां यह प्रस्ताव पास किया कि तीस हजार ठेका कर्मचारियों को नियमित करना है, पर परिणाम वही ढाक के तीन पात। सरकार बदली और चुनावों से पहले कांग्रेस सरकार ने भी इन बेचारों को आशादीप दिखाया, वोट दीजिए नौकरी पक्की हो जाएगी। वोट दे दिया, पर वे ठेके पर ही रहे। नियमित कर्मचारियों का महंगाई भत्ता पिछले वर्षों में कई बार बढ़ा। नए वेतन आयोग की ओर भी सबकी निगाहें हैं। सांसदों, विधायकों का वेतन, भत्ता बढ़ता ही रहता है। बड़े-बड़े बंगलों में रहने वाले जनता का दर्द महसूस ही नहीं करते। वर्तमान चन्नी सरकार ने भी दस साल से ज्यादा समय से ठेके की नौकरी कर रहे 36 हजार कर्मचारियों को नियमित करने की घोषणा कर दी। इस भुलेखे के साथ कि एक बार फिर वही दीवाली कर्मचारियों के घरों में आ गई, जो पांच साल पहले बादलों ने दी थी, पर आशंका यह थी कि इस छत्तीस हजार में किसका नाम रहेगा या कटेगा। लंबी प्रतीक्षा के बाद जानकारी मिली कि राजभवन में ही 40 दिन से वह फाइल बंद है जो विधानसभा सत्र के बाद राज्यपाल को हस्ताक्षर के लिए भेजी गई। अब फिर तड़प रहे हैं पंजाब के वे कर्मचारी जो प्रौढ़ावस्था को पहुंच रहे हैं। बहुत पहले मैंने पंजाब कांग्रेस के प्रधान सुनील जाखड़ और खजाना मंत्री मनप्रीत बादल से यह कहा था कि थोड़ी-सी राहत इन ठेका कर्मचारियों को दे दें।

कौन नहीं जानता कि सुप्रीम कोर्ट का निर्देश है, समान काम के लिए समान वेतन। कम से कम मेडिकल और मेडिकल खर्च अवश्य दें। कर्मचारी के घर संतान पैदा होती है तो उसे छुट्टी दें और इनकी आकस्मिक छुट्टियां बढ़ा दें। एक अच्छे राजनेता की तरह दोनों ने स्वीकार किया। वित्त मंत्री ने तो सात दिन में ही यह सब कर देने का वचन दिया और उसके बाद फोन वचन भी नहीं सुनाई दिए।

ऐसा लगता है कि अब विरोधी पार्टियां सरकार पर आरोप लगाएंगी कि वे कर्मचारियों को नियमित नहीं कर रहे और सरकार राज्यपाल पर। वास्तव में ये सभी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। बेकारी, बेरोजगारी, शोषण, भ्रष्टाचार से बचाने की कोई इच्छा इन सरकारों में नहीं। मतदाताओं को इनकी चालें समझनी होंगी। रोजगार देने की जगह मुख्यमंत्री ने नई पीढ़ी को विदेश भेजने की सुविधा देने की घोषणा करते हुए यह कह दिया कि अब आइलेट्स की शिक्षा परीक्षा मुफ्त कर दी जाएगी। सीधी बात कि विदेश में जाकर रोटी कमाओ, सरकार से कोई आशा न रखे।

आधार

पहचान पत्र को करेगा एकीकृत?

प्रभात सिन्हा

पिछले वर्षों में आधार कार्ड की महत्ता तेजी से बढ़ती जा रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना हो, सार्वजनिक वितरण प्रणाली हो, वृद्धावस्था पेंशन हो या बेरोजगारी भत्ता, किसी भी योजना का उपभोग आधार कार्ड के बिना नामुमकिन नहीं तो कठिन अवश्य हो गया है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में हालिया संशोधन, जिसके अंतर्गत मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ा जाना है, आधार कार्ड के बढ़ते महत्व का ही परिचायक है।

देश में संसदीय चुनावों को सुचारु रूप से चलाने के लिए 1950 में ही लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम बनाया गया था। 1950 का अधिनियम चुनावों के लिए सीटों के आवंटन और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन, मतदाताओं की योग्यता और मतदाता सूची तैयार करने की व्याख्या करता है। 1951 में अधिनियम का विस्तार कर चुनावों के संचालन और चुनावों से संबंधित अपराधों और विवादों का प्रावधान किया गया। भारतीय चुनाव आयोग की स्थापना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत स्वायत्त संस्था के तौर पर की गई थी। चुनाव आयोग ने पिछले कई वर्षों में तकनीक के उपयोग से त्रुटिहीन, पारदर्शी और पक्षपातरहित चुनाव कराने की दिशा में नये आयाम हासिल किए हैं। हालांकि फर्जी वोटिंग और एक ही नागरिक का अनेक जगहों पर मतदाता के तौर पर नामांकित होना अभी भी बड़ी समस्या है। इन्हीं समस्याओं के निदान के लिए भारत सरकार ने 20 दिसम्बर, 2021 को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव पेश किया, जिसको संसद के दोनों सदनों ने पारित भी कर दिया।

नये संशोधित नियम के अनुसार अब मतदाता पंजीकरण के लिए पहचान पत्र के तौर पर आधार कार्ड प्रस्तुत करना होगा। मतदाता पहले से ही पंजीकृत है तो उसके पहचान का सत्यापन आधार कार्ड से किया जाएगा। हालांकि आधार कार्ड की अनुपलब्धता और त्रुटि होने की स्थिति में दूसरे पहचान पत्र को पेश करने का प्रावधान भी है। पहले मतदाता पंजी में अर्हता सिर्फ साल की शुरुआत में 1 जनवरी को तय की जाती थी। इसका मतलब 2 जनवरी को 18 वर्ष पुरा करने वाले नागरिक को मतदाता सूची में सम्मिलित होने के लिए अगले वर्ष की 1 जनवरी तक इंतजार करना पड़ता था। संशोधित नियम के अनुसार अब वर्ष में 4 बार 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को 18 वर्ष पुरा करने वाले नागरिक भी मतदाता सूची में शामिल हो सकते हैं।

आधार कार्ड में व्यक्ति से जुड़े बायोमेट्रिक डाटा के अलावा अन्य निजी जानकारी को संग्रहित किया जाता है, जिसके कारण सत्यापन आसान हो जाता है। लेकिन आधार कार्ड में संग्रहित व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग भी संभव है। 2021 में पुदुचेरी के निकाय चुनाव में आधार डाटा के गलत इस्तेमाल की बात सामने आई। आधार कार्ड में कई विसंगतियां पाई गई हैं, जैसे नाम, पिता का नाम, पता इत्यादि में त्रुटियां, फिंगरप्रिंट अथवा अन्य बायोमेट्रिक डाटा में असमानता। 2018 में प्राप्त डाटा के अनुसार सरकारी सेवाओं के सत्यापन में विफलता 12प्र. तक थी, उसी प्रकार अन्य सुविधाओं से आधार कार्ड को जोड़ने की कवायद में विसंगतियों में वृद्धि ही पाई गई। जन प्रतिनिधित्व कानून में संशोधन के बाद सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका अहम हो जाती है। संबंधित अधिकारियों को सुनिश्चित करना होगा कि आधार में त्रुटियों और अन्य विसंगतियों की स्थिति में मतदाताओं को ज्यादा परेशानी न हो। उन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर और लंबी कतारों से भी बचाना होगा अन्यथा भविष्य में मतदान के लिए इच्छुक होने के बावजूद कुछ मतदाता अपने अधिकार का उपयोग नहीं कर पाएंगे। यह सुनिश्चित करना भी अनिवार्य हो जाता है कि किसी भी परिस्थिति में नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का दुरुपयोग न हो पाए। दरअसल, आधार कार्ड को ज्यादा सुरक्षित बनाया जाना चाहिए और साइबर खतरों से बचने के लिए डेटा को एन्क्रिप्टेड रूप में स्टोर किया जाना चाहिए।

विभिन्न आईडी कार्डों के लिंकेज से उत्पन्न परेशानियों से बचने के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय पहचान पत्र बनाने की संभावनाओं का विश्लेषण करना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में, सरकारी पहलों के कारण, आधार कार्ड को अधिकांश सरकारी, स्वायत्त और निजी संगठनों में पहचान का स्वीकार्य प्रमाण माना जाने लगा है। वोटर आईडी कार्ड से लिंक होने के बाद पहचान पत्र के रूप में आधार की स्वीकार्य और बढ़ेगी। आधार पहले से ही पैन कार्ड, बैंक खातों, राशन कार्ड और ज्यादातर सरकारी योजनाओं के साथ जुड़ा हुआ है; आगे चलकर ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य आवश्यक पहचान पत्रों को जोड़कर आधार को एकीकृत पहचान पत्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने अधिकांश फैसलों में आधार के जबरन इस्तेमाल पर रोक लगाने का आदेश दिया है, लेकिन नागरिकों, निवासियों और प्रवासियों से जुड़ी जरूरी जानकारी को एक ही पहचान पत्र में शामिल करने से बेहतर प्रशासन सुनिश्चित होगा।

डिजिटल इंडिया पहलों और तकनीकी प्रगति को देखते हुए इस लक्ष्य को प्राप्त करना अब दुर्गम नहीं है। (लेखक आईटी विषयों के विशेषज्ञ हैं)

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

महिला संचालित गंगा आरती में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया

महिलाओं, बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व उन्हें स्वावलम्बी बनाना हम सब का दायित्व-मंत्री सुबोध उनियाल

उत्तराखंड। कृषि और कृषक कल्याण मंत्री सुबोध उनियाल जी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन की परिकल्पना के नजदीक पहुंच गई है।

सुबोध उनियाल जी कहा कि सरकार नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन के लिए प्रयासरत है और विभिन्न योजनाएं चलाकर नारी सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने बताया कि कई क्षेत्रों में महिलाओं हेतु विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई गयी है और उनका लाभ महिलाओं को मिल रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कर्ष कार्य कर महिलाओं ने उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। और कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और उन्हें स्वावलंबी बनाना हम सब का दायित्व है, चूंकि महिलाओं के सम्मान से ही स्वस्थ व सुदृढ़ समाज की कल्पना की जा सकती है।

शांति जी कहा कि बिना भेदभाव के महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं प्रेरित करना समाज का दायित्व है।

संध्या जी कहा कि कहा कि महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हम सब का दायित्व है। हर वर्ग के लोगों से संपर्क कर उन्हें जागरूक कर उनके अधिकारों के बारे में बताया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेटियां बेटों से किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। जरूरत इस बात की है कि बिना भेदभाव के हम अपने बेटियों को भी पढ़ा-लिखाकर आगे बढ़ाएं और वे पढ़ लिखकर आगे बढेंगी तथा अपने घर के साथ-साथ समाज एवं जिले का नाम रोशन करेंगी।

सुशीला सेमवाल जी ने कहा कि कहा कि भाजपा ने हर मोर्चे पर जमीनी धरातल पर काम किया है। हर वर्ग के लोग सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं और कहा कि महिलाएं बेहतर ढंग से जानती है कि भाजपा में ही उनका और देश, प्रदेश का भविष्य सुरक्षित व महिलाओं की ताकत से भाजपा पुनः और मजबूत सरकार बनाएगी।उनके अनुसार महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरुक किया जाये, ताकि वे प्रत्येक क्षेत्र में आगे आकर उत्कृष्ट कार्य करें तथा साथ ही उन्हें सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं की भी जानकारी दी जाये, ताकि वे महिला कल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठा सके।

विशाल भट्ट कहा कि नाबालिग बच्चों द्वारा किए जा रहे अपराध, नाबालिग बेटियों पर परिचितों, सगे संबंधियों द्वारा किए जा रहे मानसिक, शारीरिक उत्पीड़न के प्रभावी नियंत्रण के लिए हमें अन्याय के खिलाफ अपनी बात कहना चाहिए। उनके कष्ट और परेशानी को हमें सुननी चाहिए। यदि अभिभावक बच्चों से 5 मिनट का समय देकर उनकी बात सुनकर उनके इस शोषण के भय को दूर करने के लिए संवेदनशील बनकर उसे सहारा देना चाहिए। उसे अपराध-बोध से मुक्त कराने हेतु मित्र बनकर अभिभावक को मार्गदर्शन और उचित परामर्श देना चाहिए।

इस अवसर पर ऋषिकेश गंगा आरती से संध्या जी युवक मंगल दल हरिपुर कला अध्यक्ष विशाल भट्ट ,गंग सबला प्रोजेक्ट मैनेजर शांति सिंह जी, सुशीला सेमवाल जी मंडल उपाध्यक्ष मुनी की रेती ऋषिकेश आदि लोग उपस्थित थे।

पंजाब के कॉलेज एवम विश्व विधालय को यू.जी.सी. से डीलिंक करने पर कांग्रेस सरकार द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस

चंडीगढ़। अरूण बिडलान एडवोकेट राष्ट्रीय प्रवक्ता व लीगल चीफ, खेल प्रकोष्ठ , रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) ने अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जिसमें पंजाब की कांग्रेस सरकार द्वारा पंजाब के कॉलेज एवम विश्व विधालय को यू.जी.सी. से डीलिंक करने बारे बात हुई।

बीते लगभग 2 महीने से पंजाब विश्व विधालय चंडीगढ़ के प्राध्यापक व अन्य कॉलेज के प्रोफेसर पंजाब सरकार की दुर्भाग्य पूर्ण आदेश के खिलाफ धरने पर बैठे हैं, पंजाब सरकार ने पंजाब के सभी कॉलेज व यूनिवर्सिटी को 7 वें वेतन आयोग का लाभ देने से मना कर दिया व सभी कॉलेज व यूनिवर्सिटी को यू जी सी से अलग कर दिया, जबकि पंजाब के अन्य विभागों के कर्मचारी 7 वें वेतन आयोग का लाभ दिया जा रहा है।

कॉलेज व यूनिवर्सिटीज का एक डेलिगेशन जल्द ही इस बारे श्री राम दास आठवले केंद्रीय मंत्री सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार से मुलाकात करेगा व आठवले जी से पंजाब सरकार के आदेश को माननीय राष्ट्रपति जी से रद्द करवाने बारे गुजारिश करेगा।

राष्ट्रीय प्रवक्ता व लीगल चीफ अरूण बिडलान एडवोकेट ने बताया कि यू.जी.सी. बनाने का सुझाव देश के प्रथम कानून मंत्री व संविधान निर्माता डा. भीम राव अम्बेडकर जी ने दिया था, जिसका उदेश्य देश में सभी कॉलेज व यूनिवर्सिटीज़ का रखरखाव करना व शिक्षा के उच्च स्तर को बनाये रखना था।

लेकिन पंजाब की सरकार आये दिन बेमतलब के आदेश जारी करती जा रही है, इनका मुख्य मंसूबा शिक्षा व शिक्षकों के स्तर को गिराना है जो साफ दिखाई दे रहा है, हाल ही मे पंजाब सरकार द्वारा देश तेजस्वी प्रधानमंत्री जी की सुरक्षा मे बहुत बड़ी चूक की गयी, इससे पता चलता है कि ये सरकार कितनी सुजवान है, अब ना समझ सरकार आदेश भी बेमतलब के ही पास करेगी इनसे और कोई उम्मीद की भी नही जा सकती।

जल्द ही केंद्रीय मंत्री व रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री राम दास आठवले जी से पंजाब के कॉलेज व यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों का एक दल मुलाकात करेगा व पंजाब सरकार द्वारा दिये गए आदेश मे हस्तक्षेप करने की माँग करेगा, इसके लिए माननीय मंत्री जी से समय लिया जा रहा है।

राष्ट्रीय मध्याह्न भोजन रसोइया महासंघ की बैठक संपन्न

संवाददाता

उरुवा प्रयागराज। उरुवा साधन सहकारी समिति में राष्ट्रिय मध्याह्न भोजन रसोइया महासंघ के तत्वाधान में संगठन के प्रधान महासचिव रमेश चंद्र की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। जिसमें मध्याह्न भोजन योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों के अलावा संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में उपस्थित रसोइयों ने हाथ में छिलनी, बेलन, छनौटा के साथ में 1000,2000 में दम नही 18000हजार से कम नहीं का नारा बुलंद किया।

संगठन के प्रदेश प्रधान महासचिव रमेश चंद्र ने कहा कि सरकार रसोइयों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। रसोईयों को एक, दो हज़ार देकर उनका शोषण कर रही है। संगठन को संबोधित करते हुए मण्डल मीडिया प्रभारी अरुण कुमार द्विवेदी ने कहा की सरकार एक दो हजार का चारा फेंककर रसोइयों को मछली की तरह फंसा रही है। शीघ्र ही रसोइयों को स्थाई करके उनका वेतन 18000 किया जाए । उक्त मौके पर संगठन के पदाधिकारियों सरस्वती देवी (ब्लॉक अध्यक्ष उरुवा), दिलीप कुमार (सर्वेच्छक), प्रदीप कुमार, संजय कुमार, विमला मिश्रा राजेश कुमार, रमेश कुमार और रसोइयों में क्रमश शिवकुमारी, जोखना देवी, उर्मिला, मुंदर देवी, रेखा सिंह सावित्री देवी, सीता, शैल देवी आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

सिख समाज ने प्रकाशोत्सव के मौके पर बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ कीर्तन जुलूस निकाला

संवाददाता

स्योहारा। नगर में पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी सिख समाज द्वारा प्रकाशोत्सव के मौके पर बड़ी ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ कीर्तन जुलूस निकाला गया।जुलूस में कई हैरत अंगेज़ करतब सिख समाज द्वारा दिखाए गये। । श्री गुरु गोविंद जी के प्रकाशोत्सव के अवसर पर विशेष दीवान सजाया गया। अमृतसर साहिब से आए जत्थे द्वारा कीर्तन का आयोजन किया गया। निशान खालसा पंजाब, मुरादाबाद गतका पार्टी, नकारा बजाने के लिए अमृतसर की पार्टी, रूद्रपुर से बैंड पार्टी ने शानदार गायन किया। पंजाब से आई अखाड़ा पार्टी ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। पंजाब पार्टी ने कांच पर नँगे पैर चलकर लोगों को सच्चाई की राह पर चलने के लिए प्रेरित किया।साथ ही सिख समाज की महिलाओ ने पूरे जुलूस के रास्ते पर झाड़ू लगाकर श्रमदान किया तो वहीं समाज के मासूम बच्चों ने सुंदर सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस मौके पर व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष व्यापारी नेता अरुण वर्मा ने नगर कीर्तन में सिख समाज के गुरुओं का स्वागत किया और आपसी भाईचारा व प्रेम को बढ़ावा देने की अपील की। नगर के सभी धर्मों के लोगों ने जुलूस का भव्य स्वागत किया। बतादें कि नगर का जाना-माना वर्मा मेटरनिटी एवं नर्सिंग होम के संचालक वरिष्ठ चिकित्सक मनोज वर्मा, सरदार अवतार सिंह, समाजसेवी जुहैब असलम अन्सारी, कांग्रेस नगर अध्यक्ष चौधरी फहीम उर रहमान नासिर चोधरी,अफ़ज़ाल चोधरी, तनवीर चोधरी,डॉ असलम अन्सारी, असजद चौधरी,अफ़ज़ाल चोधरी व तनवीर चोधरी को सम्मानित किया गया।साथ ही चेयरमैन हाजी अखूतर जलील, सुहेल ज़फ़र,भाजपा विधायक अशोक कुमार राणा,बसपा प्रत्याशी हाजी कमाल,नजीब उल,हसन,अफ़ज़ाल चोधरी,मेजर रईस चोधरी ,सुहेल ज़फ़र आदि भी शामिल रहे

इस नगर कीर्तन को सफल बनाने में गुरुद्वारा कमेटी के संरक्षक डॉ एच एस कालरा, कोषाध्यक्ष अवतार सिंह, सेक्रेटरी सुरेन्द्र सिहं अरोड़ा उर्फ राजू भैया, खालसा प्रधान अरविंदर सिंह, डॉ मनोज वर्मा, सरदार दलजीत सिंह,बाबा जेन,सजंय जेन,आरुण वर्मा, चौधरी फईम उर रहमान, नजीब उल हसन, असजद चौधरी, डॉ यगद्दत गौड़, कुलदीप सिहं,राजपाल सिंह प्रजापति,डॉ अदनान,उमेर जावेद,पियुष रस्तोगी जिला कार्यकारिणी सदस्य युवा मोर्चा आदि लोगौ का विशेष सहयोग रहा।साथ ही स, सुरेंद्र सिंह, स.अरविंदर सिंह, स.रविंद्र सिंह, स.अवतार सिंह, स.प्रीतपाल सिंह, स.बलवीर सिंह,स. कमलजीत सिंह, त्रिलोक चंद सिंह, प्रीति, बलवीर कौर, मनजीत सिंह, लीनी रेशु, सिमरन कोर, शानू, परमजीत कौर, रविंद्र कौर , गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी में स. कमलजीत सिंह नूर, स.हरभजन सिंह अमन, नूरपुर कमेटी से स.रणवीर सिंह, विरेंद्र सिंह, प्रभजोत बादलके अलावा ताजपुर, नूरपुर, राहूंनगली, धामपुर की संगत ने भी भाग लिया।

जुलूस को शान्ती पूर्ण रूप से सम्पन्न कराने में थानाध्यक्ष आशीष तोमर व उनकी पुलिस टीम का विशेष सहयोग रहा।

सभी धर्मों के लोगो ने किया भव्य स्वागत

सलीम, वासित अली,आयान जावेद, असजद चौधरी, स्योहारा वेलफेयर सोसायटी ,आदि ने केम्प लगाकर जलपान व फूल मालाओं से सिख समाज का स्वागत किया।

सिख समाज का नगर कीर्तन गुरुद्वारा से शुरू होकर जुमेरात का बाजार थाना चौराहा मील चौराहा पीर का बाजार होते हुए अपने स्थान गुरुद्वारे पर शांतिपूर्वक समाप्त हुआ। वही सिख समाज द्वारा नगर के सम्मानित लोगों को शॉल उड़ाकर तथा शिल्ड देकर सम्मानित किया। सम्मानित लोगों में डॉ मनोज वर्मा, अरुण वर्मा, चौधरी फईम उर रहमान, जुहैब

पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मान को बचाने एवं सरकार पर हावी बेलगाम कर्मचारियों के विरोध में धरना प्रदर्शन किया गया

संवाददाता

नजीबाबाद तहसील के खंड विकास ब्लाक प्रमुख तपराजसिंह देसवाल की अध्यक्षता में एक धरना प्रदर्शन किया गया जिसमें क्षेत्र पंचायत सदस्य व् ग्राम प्रधान तथा ग्राम प्रधान पति मौजूद रहे धरना प्रदर्शन शांतिपूर्वक तरीके से सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ हुआ और शाम 5:00 बजे तक चलता रहा फिर ब्लॉक प्रमुख औरप्रधान संघ की तरफ से एक ज्ञापन जिलाधिकारी महोदय के नाम एसडीएम नजीबाबाद को सौंपा गया । ज्ञापन में लिखा थाजो भी प्रमुख पर आरोप लगाए गए हैं सभी आरोप निराधार हैं तथा बेबुनियाद है और ग्राम सचिव द्वारा गत वर्षो में कराए गए सभी विकास कार्य की संबंधित विभाग द्वारा जांच कराई जाए ।गोसिया अंसारी की संपत्ति की भी जांच कराई जाए तथा तत्काल भाव से सचिव को निलंबित कर मुख्यालय परसंबंध किया ।जाए ब्लाक प्रमुख ने आगे बताया की धरना प्रदर्शन में आए सभी बीटीसी मेंबरों वे ग्राम प्रधानों का आभार व्यक्त करता हूं और आशा करता हूं कि आप लोग मेरे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे लेकिन हमारा धरना आगे भी हमारी मांगे पूरी होने तक चलता रहेगा मैं सभी से अनुरोध करूंगा की धरने में मात्र100 आदमी ही रात के समय में रुके सकेंगेबाकी सभी लोग अपने अपने घर चले जाएं एसडीएम साहब ने ज्ञापन लेते हुए बताया कि इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जांच चल चल रही 3, 4 दिन में जल्दी निस्तारणहो जाएगा मैं सभी से अनुरोध करूंगा क्यों ठंड समय है सभी लोग अपने अपने घरों को जाए माल मवेशियों की हिफाजत करें मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं खुद इस ज्ञापन को लेकर जिलाधिकारी महोदय के पास जाऊंगा और जल्द ही इस पर उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी धरना प्रदर्शन में मौजूद ग्राम प्रधान वह बीडीसी सदस्य किसान यूनियन के पदाधिकारी आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जब इस संबंध में ग्राम सचिव गौसियाअंसारी से फोन द्वारा उनका पक्ष जानने की कोशिश की गई तो उनका फोन बिजी आता रहा लेकिन बात ना हो सकी

शायद आप लोग यह सोचरहे होंगे कि ऐसा क्या हो गया कि ब्लाक प्रमुख तब राज सिंह देसवाल को धरना प्रदर्शन करने की नौबत आ गई हम आपको बता दें कि पंचायत राज अधिकारी द्वारा चार-पांच दिन पहले एक संबंधितजांच पत्र ब्लाक प्रमुख को सौंपा गया था जिसमें ग्राम सचिव गोसिया अंसारी द्वारा अकारण बुरी नियत से परेशान करने का आरोप लगाया गया था इसी को संज्ञान में लेते हुए ब्लाक प्रमुख ने आनन-फानन में प्रेस कॉन्फ्रेंस 4 दिन पहले बुलाई थी जिसमें उन्होंने कहा था कि मुझ पर लगाए गए सभी आरोप निराधार और बेबुनियाद है जो स्वीकारनहीं है ब्लाक प्रमुख नेआगे कहा था कि यदि किसी कर्मचारी को जनता के प्रति जवाब होने देने होने के लिए उच्च अधिकारी द्वारा सूचित कराना अपराध है क्याऔर भविष्य में ब्लॉक में पद पर रहते हुए आगे भीउच्च अधिकारियोंद्वारा समझाने बुझाने का प्रयास जारी रहेगा प्रेस वार्ता में ब्लाक प्रमुख गत 5 माह में यथा हरसंभव जनता की सेवा करने का प्रयास किया गया है जो सर्वविदित है हमने उपरोक्त समय में 1 दिन भी जनता के प्रति अपने दायित्व को नहीं छोड़ा है और आगे भी नहीं छोड़ेंगे प्रमुख ने यह भी कहा कि इस परिस्थितिमें यदि किसी कर्मचारी द्वारा इस तरह के आरोप लगाकर पंचायत प्रतिनिधियों को काम करने से रोका जाएगा तो पद पर रहने का कोई औचित्य नहीं है ।प्रमुख ने यह भी कहा था कि सचिव गोसिया अंसारी संभावित आरोपों की पुष्टि कर उच्च अधिकारियों के सामने पुष्टि करें अन्यथा उच्च अधिकारी 7 , जनवरी2022 को कर्मचारी गौसिया अंसारी को निलंबित कर मुख्यालय पर संबंध किया जाए अगर ऐसा नहीं होता तो 7 जनवरी 2022 को खंड विकास कार्यालय को बंद कर अनशन व धरना प्रदर्शन किया जाएगा

नजम सिद्दीकी फिर साबित हुए हीरो,मिला बेस्ट पत्रकार का अवार्ड

संवाददाता

स्योहारा। नगर के काबिल और वरिष्ठ पत्रकारों में शुमार इस बार भी हीरो साबित हुए और

धामपुर में आयोजित कार्यक्रम में लगातार 8वी बार उनको बेस्ट पत्रकार का अवार्ड मिला।

जाने माने टीवी चैनल अभी तक के 18 वर्ष कामयाबी के साथ पूरे होने पर चेनल की 19वी वर्षगांठ को धूमधाम के साथ धामपुर में मनाया गया।

जहां युवा सपा नेता व नहटौर चेयर पर्सन पुत्र राजा अंसारी ने नजम सिद्दीकी को बेस्ट पत्रकार के सम्मान से नवाज़ते हुए उनकी तारीफ की,इसके अलावा चेनल के एमडी शरद राजवंशी ने अभी तक का नजम सिद्दीकी को सबसे काबिल और होनहार सदस्य बताते हुए दिल खोलकर उनकी तारीफ की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ यशवंत सिंह,ब्लाक प्रमुख क्षमा हेमलता,समाजसेवी मनोज गुप्ता,नहटौर से राजा अंसारी व अभी तक चेनल की पूरी टीम व तमामं गणमान्य लोग शामिल रहे।

सलमान खान के पास है एक जादुई चीज! सात बार बचा चुकी है जान

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान (Salman Khan) आज भी अपने एटीट्यूड के लिए जाने जाते हैं. उनकी फैन फॉलोइंग में लगातार इजाफा हो रहा है. लेकिन सलमान खान के इस चार्म के पीछे एक गहरा राज है. एक्टर के पास एक जादुई चीज मौजूद है, जिसकी वजह से वो बार-बार मुसीबत में आने से बच जाते हैं और इस बात का खुलासा खुद सलमान ने किया था.

सलमान की लकी चीज

बॉलीवुड इंडस्ट्री के एक ऐसे कलाकार है, जिनको हर उम्र के लोग बहुत प्यार करते हैं. हम बात कर रहे हैं एक्टर सलमान खान (Salman Khan) की, जिन्हें सभी लोग बहुत ज्यादा पसंद करते हैं. जैसा कि आप सब जानते हैं कि एक्टर सलमान खान (Salman Khan) के दाहिने हाथ में हमेशा एक नीले कलर का ब्रेसलेट होता है. उनका ये ब्रेसलेट उनके लिए बहुत ज्यादा लकी है. आपको जानकर हैरानी होगी कि एक्टर का ये ब्रेसलेट उन्हें आने वाली मुसीबतों से भी बचाता है.

इंटरव्यू में हुआ खुलासा

इस बात का खुलासा खुद भाईजान ने एक इंटरव्यू के दौरान किया था. जिस दौरान उनसे पूछा गया कि आखिर वो हमेशा इस ब्रेसलेट को क्यों पहने रखते हैं. जिस पर सलमान (Salman Khan) ने जवाब देते हुए कहा कि ऐसा ब्रेसलेट उनके पिता सलीम खान के पास भी था. तब वो उनके उस ब्रेसलेट से खेला करते थे. जब वो बड़े हुए तब उनके पिता ने उन्हें भी अपने जैसा ही एक ब्रेसलेट गिफ्ट किया. ये ब्रेसलेट फिरोज नामक पत्थर का है, जो उनके लिए काफी लकी है.

ब्रेसलेट बचाता है जान

गौरतलब है कि एक्टर सलमान खान (Salman Khan) के जन्मदिन से पहले वो एक बड़े हादसे का शिकार होने से बच गए थे. दरअसल, एक्टर को उनके फार्महाउस पर उनके जन्मदिन के पहले एक सांप ने तीन बार कांटा. हालांकि, सांप जहरीला नहीं था, जिसके चलते सलमान बच गए. ऐसे ही कई हादसे एक्टर सलमान खान के साथ पहले भी हो चुके हैं. सलमान ने आगे बताते हुए कहा कि जब उन पर कोई भी मुसीबत आती है तो ये ब्रेसलेट पर क्रैक आ जाता है. सलमान खान के साथ ऐसा 7 बार हो चुका है, जब उनकी जान जाते-जाते बची है. सलमान ने आगे बताया कि उनपर आने वाले हर खतरे को उनका ये ब्रेसलेट अपने ऊपर ले लेता है.

क्या करता है पत्थर

अगर बात करें एक्टर सलमान खान (Salman Khan) के इस लकी ब्रेसलेट फिरोज की तो इसको सहानुभूति का हीलिंग रत्न कहा जाता है. वहीं यह पहनने वाले की संवेदनशीलता और सोचने की शक्ति में सुधार भी करता है. फिरोज नामक ये स्टोन दुर्भाग्य को समाप्त करता है और स्वास्थ्य, धन, ज्ञान, प्रसिद्धि और शक्ति को प्रमाणित भी करता है. यह फिरोजा रत्न धारण करने वाले व्यक्ति की रचनात्मकता सुधार करता है. सुपर स्टार सलमान खान के अंदर ये सभी गुण पाए जाते हैं.

कार्तिक आर्यन की दीवानी पहुंचीं घर के नीचे, एक्साइटमेंट देख एक्टर ने किया ये काम

बॉलीवुड के कार्तिक आर्यन एक ऐसे एक्टर हैं, जिनकी फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा है और खासतौर पर लड़कियां तो उनकी एक झलक पाने के लिए तरसती ही रहती हैं. इसी का एक नमूना उनके घर के बाहर देखने को मिला.

कार्तिक की दीवानी

बॉलीवुड के चॉकलेट ब्वॉय अभिनेता कार्तिक आर्यन की तगड़ी फीमेल फैन फॉलोइंग है. कार्तिक आर्यन को फैन्स बहुत पसंद करते हैं वहीं अभिनेता भी अपने फैन्स के साथ अक्सर वक्त बिताते नजर आ जाते हैं. इस बीच कार्तिक आर्यन की दो फैंस ने कुछ ऐसा किया कि उनका वीडियो वायरल हो गया. कार्तिक आर्यन की दो फीमेल फैन्स एक्टर के घर के बाहर खड़ी होकर उनका नाम चिल्लाती दिख रही हैं. ये वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और कार्तिक के फैन्स इस पर खूब रिएक्ट कर रहे हैं.

चिल्ला रहीं नाम

दरअसल कुछ ही देर पहले विरल भियानी ने एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया. इस वीडियो में दो फीमेल फैन्स एक घर के आगे कार्तिक आर्यन का नाम चिल्लाती दिख रही हैं. दोनों लड़कियां चीख रही हैं- कार्तिक, प्लीज प्लीज बाहर आ जाओ. वहीं इसके बाद वीडियो देखकर ऐसा लग रहा है कि एक फैन दूसरे फैन को गले लगाकर रो पड़ती है. हालांकि कार्तिक घर पर हैं या नहीं इस बारे में तो पता नहीं, लेकिन विरल ने इस वीडियो में कार्तिक को भी टैग किया है. काफी देर बाद एक्टर खुद उनसे मिलने घर के नीचे आए.

कार्तिक का वीडियो हुआ वायरल

याद दिला दें कि हाल ही में कार्तिक के कुछ फोटोज और वीडियोज सामने आए थे, जहां वो क्रिकेट खेलते दिख रहे थे. फैन्स इस बात से काफी एक्साइटिड हो गए थे कि 83 और जर्सी के अलावा अब कार्तिक भी शायद फिल्म में क्रिकेट खेलते नजर आएंगे. लेकिन कुछ ही वक्त सामने आ गया कि वे फोटोज- वीडियोज एक विज्ञापन के शूट के दौरान के थे. हालांकि उस विज्ञापन को भी फैन्स ने काफी पसंद किया.

कार्तिक की फिल्में

गौरतलब है कि कार्तिक आर्यन का नाम उन चुनिंदा सितारों में शुमार है, जिन्होंने अपने दम पर अपने लिए एक बड़ा मुकाम बनाया है. कार्तिक अभी तक कई फिल्मों में काम कर चुके हैं और प्यार का पंचनामा से उन्हें फेम मिला था. कार्तिक हाल ही में फिल्म धमाका में नजर आए थे और बात उनकी अपकमिंग फिल्मों की करें तो %भूल भुलैया 2%, %फ्रैडी%, %कैप्टन इंडिया% और %शहजादा% उनकी अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट में शुमार हैं.

देर रात अमीषा पटेल पहुंचीं दोस्त के घर, पहने इतने रिवीलिंग कपड़े; आ गईं चर्चा में

गदर 2 फिल्म साइन करने के बाद एक बार फिर से अमीषा पटेल (Ameesha Patel) लाइमलाइट में आ गई हैं. इन दिनों जहां एक ओर फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी हैं तो वहीं अमीषा ने दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड लुक की तस्वीरें शेयर कर दी हैं. इन तस्वीरों में अमीषा अपने किसी दोस्त के घर गईं वो भी इतने ज्यादा रिवीलिंग कपड़े पहनकर.

दोस्त के घर गईं डिनर करने

अमीषा पटेल (Ameesha Patel) ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा- डिनर डेट दोस्तों के साथ...काफी वक्त बाद.

पहने रिवीलिंग कपड़े

अमीषा पटेल ने दोस्तों संग डिनर डेट पर जाने का एक छोटा सा वीडियो बनाया है. इस वीडियो में एक्ट्रेस कभी सीढ़ियों पर चढ़ती दिख रही हैं तो कभी उतरती हुई. इस वीडियो में एक्ट्रेस डीप नेक की काले रंग की ब्रालेट पहने हुई हैं. इसके साथ ही एनिमल प्रिंट की मिनी स्कर्ट पहने हुए हैं. अपने लुक को पूरा करने के लिए एक्ट्रेस लाइट मेकअप के साथ ओपन हेयर में दिखीं.

बिग बॉस 13 में अमीषा ने लगाया था बोल्डनेस का तड़का

बिग बॉस सीजन 13 में अमीषा पटेल की एंट्री बतौर घर की मालकिन के रूप में हुई थी. उस वक्त अमीषा ने घरवालों से ऐसे-ऐसे टास्क करवाए कि सोशल मीडिया पर जमकर हंगामा हो गया. हालांकि बाद में अमीषा शो से पूरी तरह गायब सी हो गई थीं.

गदर 2 में आएंगी नजर

अमीषा पटेल जल्द ही बड़े पर्दे पर नजर आएंगी. ये वही फिल्म है जिसने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था. इस फिल्म का नाम गदर 2 है. गदर 2 (Gadar 2) फिल्म साल 2001 में आई फिल्म गदर का सीक्वेल है. उस वक्त भी फिल्म में अमीषा पटेल और सनी देओल लीड रोल में थे. इस बार भी लीड रोल में इन्हीं सितारों को कास्ट किया गया है. उस वक्त गदर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था.यहां तक कि इस फिल्म में सनी देओल द्वारा बोले गए डायलॉग आज भी लोगों को बेहद पसंद हैं.

पार्टी वियर कपड़े पहन हाथ में पैन लिए नजर आईं परिणीति लुक से लगाया हॉटनेस का तड़का!

बॉलीवुड अभिनेत्रियां कई बार ऐसे फोटोशूट करवा लेती हैं जो लोगों की नजरों में अटक जाते हैं. ऐसा ही कुछ तब हुआ जब परिणीति चोपड़ा (Parineeti Chopra) ने हाल ही में अजीबोगरीब ड्रेस के साथ पैन पकड़कर फोटोशूट करवाती नजर आईं.

इस मैगजीन के लिए करवाया शूट

परिणीति चोपड़ा (Parineeti Chopra) ने ये तस्वीर अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है. इस तस्वीर को शेयर करते ही ये फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गईं. एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा- 2022 को स्टाइल में लाना! शुक्रिया पिकॉक मैगजीन..साल 2022 के पहले कवर पेज के लिए.

क्या है तस्वीर में खास ?

इस फोटोशूट में परिणीति चोपड़ा (Parineeti Chopra) ग्रीन कलर का रिवीलिंग ब्रालेट पहने हुई हैं. इसके साथ ही एक साइड से ओपन लॉग स्कर्ट पहनी है जो कि काफी शिमरी है. एक्ट्रेस एक हाथ में जालीदार पैन पकड़े हुई हैं. इसके साथ ही टाइट पोनी के साथ लाइट मेकअप किया है जो कि उनके लुक पर काफी सूट कर रहा है.

एक नजर में लगेगा किचन में किया फोटोशूट इस तस्वीर को देखकर एक नजर में ऐसा लगेगा कि एक्ट्रेस ने इस फोटोशूट को किचन में शूट किया है. ऐसा इसलिए क्योंकि एक तो एक्ट्रेस ने एक हाथ में पैन पकड़ा है तो वहीं दूसरे हाथ की तरफ बगल में प्लेट में फ्रूट्स रखा हुआ नजर आ रहा है. इसके साथ ही तस्वीर के पीछे का बैकग्राउंड किचन की तरह लग रहा है.

रणवीर सिंह के साथ की थी करियर की शुरुआत

परिणीति चोपड़ा ने साल 2011 में अपने करियर की शुरुआतलेडीज वर्सेज रिकी बहल फिल्म से की थी. इस फिल्म के बाद अर्जुन कपूर संग आई उनकी फिल्म इशकजादे(Ishaqzaade) ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया और एक्ट्रेस रातोंरात ही चर्चा में आ गई थीं.

इस फिल्म के अलावा एक्ट्रेस ने कई फिल्मों में अपने एक्टिंग का जलवा बिखेरा. इन फिल्मों में शुद्ध देसी रोमांस, हंसी तो फसी, दावत-ए-इश्क, किल दिल, दुशूम, मेरी प्यारी बिंदू, गोलमाल अगेन, नमस्ते लंदन और केसरी शामिल हैं.

एक्ट्रेस आखिरी बार बड़े पर्दे पर साइना (Saina) फिल्म में नजर आई थीं. इस फिल्म में परिणीति ने साइना नेहवाल का किरदार निभाया था.

सर्दियों में इस तरह करें मेकअप

हम में से ऐसे कई लोग हैं जिन्हें मेकअप का काफी शौक होता है और जिसके लिए वे मेकअप से जुड़ीं जानकारियों से अपडेट रहना भी पसंद करते हैं। सर्दियों का मौसम आ चुका है और गर्मियों की अपेक्षा सर्दियों के मौसम में मेकअप काफी उभरकर दिखता है। लेकिन इसी के साथ ही सर्दियों के मौसम में त्वचा की बेरूखी भी परेशान कर देती है, क्योंकि सर्दियों में चेहरे पर काफी ड्राईनेस नजर आने लगती है और ऐसे में मेकअप कभी-कभी भद्दा दिखने लगता है। लेकिन हम आपके लिए कुछ आसान टिप्स लेकर आए हैं जिसको आजमाकर आप इस परेशानी से निजात पा सकती हैं।

सर्दियों के मौसम में मेकअप से पहले एक अच्छे क्लींजर से अपने पूरे चेहरे को अच्छी तरह से क्लीन कर लें। यह आपके चेहरे पर जमी गंदगी को साफ करेगा ही, साथ ही सॉफ्टनेस भी देगा। अब आपको एक अच्छे मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना है और अपने पूरे चेहरे पर इसे लगा लें और हल्की-सी मसाज कर लें।

मॉइस्चराइर के बाद आप प्राइमर का इस्तेमाल करें

अब आपका चेहरा बेस सेट करने के लिए तैयार है। अब आपको एक अच्छा फांउडेशन लेना है, जो आपके चेहरे की स्कीन से मैच करता हो। इससे एक शेड ज्यादा न कम। आपको अपने चेहरे के कलर के हिसाब से फांउडेशन का चुनाव करना है। अब अपने बेस को सेट करने के लिए आप हल्के से कॉम्पेक्ट पाउडर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रखें कि आपको सिर्फ अपने बेस को सेट करने के लिए ही इसका इस्तेमाल करना है। मेकअप करते समय अपनी आंखों पर डार्क काजल, मस्कारा और लाइनर का इस्तेमाल जरूर करें। ये ठंड के मौसम में आपकी आंखों को हाईलाइट करते हैं इसलिए अपनी आंखों को नजरअंदाज न करें।

अब बारी आती है आपके होंठों की। लिपस्टिक का इस्तेमाल करने से पहले अपने होंठों पर पेट्रोलियम जैली का इस्तेमाल जरूर करें। यह आपके होंठों को ड्राईनेस से बचाएगी। मेकअप में हाईलाइट बहुत जरूरी होता है। खासकर इसका इस्तेमाल ठंड के मौसम में किया जाए तो यह आपको परफेक्ट लुक देने में मदद करता है इसलिए हाईलाइटर का जरूर इस्तेमाल करें।

जंक फूड के बजाए अपनाएं ये हेल्दी स्नैक्स

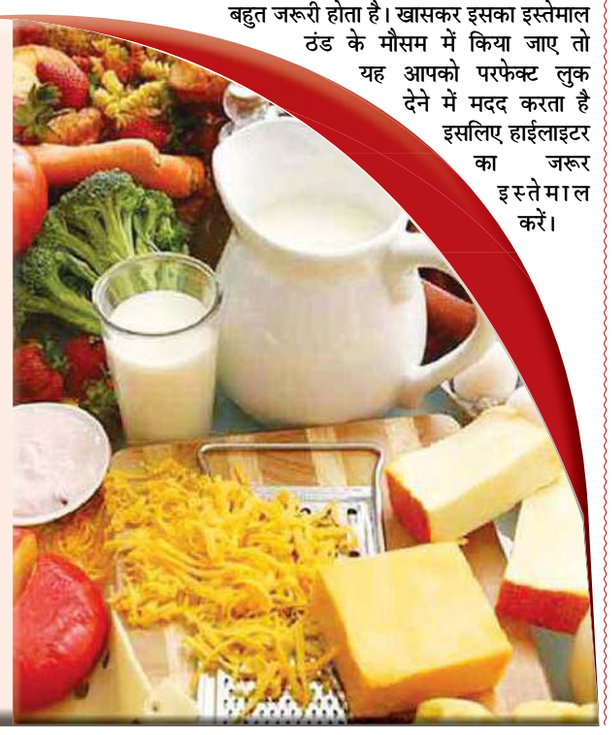

अगर आप सचमुच भूखे हैं, या फूड का हेल्दी और छोटा हिस्सा दिन भर खाते हैं, तो ये नुकसानदेह नहीं है लेकिन इसके पीछे अगर इमोशनल इटिंग (बिना भूख के खाने लगना) आपकी मंशा है, और आप सैचुरेटेड फैट, नमक या शुगर में अधिक डिब्बाबंद फूड को लालसा पूरी करने के लिए चुनते हैं, तो स्नैकिंग आपकी जिंदगी का दुश्मन हो सकता है।

स्नैकिंग आपके लिए कब हो सकता है नुकसानदेह?

न्यूट्रिशनिस्ट रियान फरनाडो कहते हैं, स्नैकिंग आपके लिए उस वक्त तक नुकसानदेह नहीं है जब तक कि आप गैर सेहतमंद सामग्री का सेवन न करें। उसके बजाए ये आपको देर तक भरा रखने में मदद कर सकता है और गैर सेहतमंद फूड्स के प्रति आपकी लालसा को कम करता है। खाने के विकल्पों में सचेत नहीं रहने पर गलत स्नैक को हम चुन सकते हैं और उसके नतीजे में वजन बढ़ सकता है और कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। लेबल पर दिखाई देनेवाले अधिकतर हेल्दी प्रोडक्ट्स अक्सर खराब फैट और शुगर में अधिक होते हैं। स्नैक के विकल्प जैसे चिप्स में पोषण मान नहीं होता है लेकिन फैट्स, सोडियम और अधिक कैलोरी में भरपूर होता है

भोजन के बीच में हमें स्नैकिंग की इच्छा क्यों होती है?

न्यूट्रिशनिस्ट का कहना है कि मौजूदा पोषक तत्वों की कमी या आपकी डाइट में खास पोषक तत्वों के अभाव की वजह से ये हो सकता है। मिसाल के तौर पर, अगर आपको चॉकलेट खाने की इच्छा है, तो आपके शरीर में मैग्नीशियम की कमी हो सकती है, जिसकी पूर्ति नट्स, सीड्स और फलों से होने की संभावना है। उनका कहना है कि जेनेटिक्स भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उन्होंने कुछ हेल्दी स्नैक्स के सुझाव दिए हैं जो खराब स्नैक्स का विकल्प हो सकते हैं और आपके वजन कम करने में मदद कर सकते हैं।

- ➤ कैंडी या चॉकलेट के बजाए फल
- ➤ चिप्स के बजाए पॉपकॉर्न
- ➤ बिस्कुट के बजाए मूंगफली का मक्खन टोस्ट

झड़ते बालों से छुटकारा दिलाएगा नीम का तेल

नीम एक ऐसी जड़ी-बूटी है जिससे शायद ही कोई अपरिचित रहा हो। खाने में बिल्कुल कड़वा लेकिन सेहत के लिए बहुत अच्छा। नीम का सेवन बीमारी, खाने में प्रयोग, स्किन के लिए उपयोग, बालों के लिए अलग-अलग प्रकार से उपयोग किया जाता है। वहीं ठंड में बाल झड़ने की समस्या से जूझना पड़ता है। इसके लिए नीम का तेल सबसे अच्छा उपाय है। इससे बाल झड़ने की समस्या से भी आराम मिलेगा, डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा मिलेगा और साथ ही समय से पूर्व हो रहे बाल सफेद से निजात मिलेगी। तो आइए जानते हैं ठंड के मौसम में नीम के तेल कैसे बनाएं और किस तरह आराम मिलेगा

नीम का तेल बनाने की सामग्री

- 1 कटोरी नीम की पत्तियां
- 1 कटोरी नारियल तेल

नीम का तेल बनाने की विधि

- सबसे पहले नीम की पत्तियों को साफ पानी से दो बार धो लें।
- फिर मिक्सर में डालकर अच्छे से पीस लें।
- बारीक हो जाने के बाद तेल और नीम के पेस्ट को मिक्स कर लें।
- धीमी आंच पर मिश्रण को कड़ाही में डालकर 5 मिनट तक पका लें।
- और फिर ठंड करके छानकर शीशी में भर लें।

नीम के तेल के फ़ायदे -

- बालों को झड़ने से रोकेगा।
- असमय आ रहे सफेद बालों से निजात।
- डैंड्रफ और रूसी से निजात।
- रूखे और बेजान बालों को पोषण मिलेगा।
- बाल मजबूत होंगे।
- सिर में निकल रही ड्राई स्किन में आराम मिलेगा।
- सिर में हो रही खुजली में आराम मिलेगा।

मीठा के हैं शौकीन तो ट्राई करें ये स्वादिष्ट लड्डू

मीठे व्यंजनों को लेकर अधिकतर यही धारणा है कि ये अहेल्दी होते हैं। जबकि कई तरह के डेजर्ट ऐसे जो आपको दिनभर ऊर्जावान रख सकते हैं। आप कई तरह के लड्डू रेसिपी बना सकते हैं। ये न केवल आपके ऊर्जा के स्तर को बढ़ाएंगे बल्कि मीठे खाने की लालसा को भी तृप्त कर सकते हैं। आइए जानें आप कौन सी लड्डू रेसिपी बना सकते हैं।

ड्राई फ्रूट्स और नट्स लड्डू

इन स्वादिष्ट ड्राई फ्रूट्स और नट्स लड्डू को बनाने के लिए, एक ग्राइंडिंग जार लें और इसमें 1 कप भुनी हुई मूंगफली, 1 कप बादाम, 1 कप कटी हुई किशमिश और 1 कप पिसे हुए खजूर और एक चुटकी कोषेर नमक डालें. इन्हें दरदरा पीस लें, 2 चम्मच खरबूजे के बीज, 2 चम्मच शहद डालकर फिर से पीस लें. हथेलियों पर थोड़ा सा मक्खन लगाकर चिकना कर लीजिए और इनके छोटे-छोटे गोले बना लीजिए. इन्हें अच्छे से स्टोर करें और आनंद लें.

खजूर और किशमिश लड्डू

इस हेल्दी मिठाई को बनाने के लिए 1 कप खजूर और 1 कप किशमिश, 1/4 कप अलसी, 1/4 कप खरबूजे के बीज, चम्मच जायफल, 1/4 चम्मच दालचीनी लें. इन सबको एक साथ पीस लें और 2 चम्मच देसी नारियल डालकर अच्छी तरह मिला लें और अच्छी तरह से रोल करके एक एयरटाइट कंटेनर में स्टोर कर लें. आप इन्हें कभी भी रेफ्रिजरेट कर सकते हैं और मिठाई के रूप में इनका आनंद ले सकते हैं.

पीनट बटर और सेब लड्डू

हेल्दी नाश्ते के लिए तरस रहे हैं, तो 1 मध्यम आकार का सेब लें और इसे अच्छी तरह से कद्दूकस कर लें. एक बाउल में निकाल लें और आधा कप पीनट बटर, 3 चम्मच ग्रेनोला, 3 चम्मच कुटी मूंगफली और एक चुटकी दालचीनी डालें. इसे एक साथ मिलाएं और कुरकुरे पीनट बटर और एप्पल लड्डू बनाएं.

अंजीर लड्डू

एक कटोरी लें, 1 कप अंजीर को गर्म पानी में भिगोएं और एक चिकना पेस्ट बनाएं. इसमें कप बादाम, 2 चम्मच अलसी, 2 चम्मच सूरजमुखी के बीज, 2 चम्मच खरबूजे के बीज, 1 चम्मच एसेंस, 1 चम्मच लेमन जेस्ट और कप ओट्स मिलाएं. इन सबको एक साथ ब्लेंड करें, छोटी बॉल्स में रोल करें और इन्हें कभी भी परोसें.

क्रैनबेरी ओट्स लड्डू

इन झटपट क्रैनबेरी ओट्स लड्डू को बनाने के लिए, एक ब्लेंडर जार लें और इसमें 1 कप कटे हुए क्रैनबेरी, 2 चम्मच शहद, 2 चम्मच चिया सीड्स, 3 चम्मच खरबूजे के बीज, 1 कप रोल्ड ओट्स और कप किशमिश मिलाएं. एक मोटा मिश्रण बनाएं, अपनी हथेलियों पर थोड़ा सा मक्खन लगाकर चिकना करें और छोटे-छोटे बॉल्स में रोल करें.

सेहत के लिए फायदेमंद पीनट बटर

वेट लॉस : पीनट बटर में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, यही वजह है कि इसका एक चम्मच खाने से पेट भरा रहता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसके एक सर्विंग में 2.6 ग्राम फाइबर और 7 से 8 ग्राम प्रोटीन होता है। रोस्टेड ब्रेड पर पीनट बटर खाना लोग काफी पसंद करते हैं। ये कैलोरी, वसा और सोडियम में भी कम होता है। ये वजन कम करने में भी मदद कर सकता है।

कैंसर के रिस्क : कुछ अध्ययन के मुताबिक पीनट बटर को विशेष रूप से पेट के कैंसर के साथ जोड़ कर देखा जाता है। इसमें कई यौगिक होते हैं, जो शरीर से मुक्त कणों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यहां तक कि मूंगफली में मौजूद विटामिन ई, कोलन, फेफड़े, लिवर और अन्य कैंसर से बचाने के लिए जाना जाता है।

स्वस्थ दिल : पीनट बटर पी-कौमरिक एसिड से भरपूर होता है, जो दिल से जुड़ी बीमारियों में मदद करता है। इसके अलावा, इसमें असंतृप्त वसा भी होता है. जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। तो ये कहना सुरक्षित है कि पीनट बटर खाने से कार्डियोवैस्कुलर और कोरोनरी हृदय रोग का खतरा कम हो जाएगा। पीनच बटर में आयरन और कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है, जो हेल्दी और स्ट्रॉन्ग बोन्स को प्रमोट करता है।

हेल्दी रहने के लिए पीएं चाकलेट मिल्क

चाकलेट एक ऐसी चीज है जो बच्चों की पसंदीदा तो होती है ही, साथ ही बडों को भी यह काफी अच्छी लगती है। अगर आपका नाम भी ऐसे लोगों की लिस्ट में शुमार है जो चाकलेट के दीवाने हैं तो आप आज से ही चाकलेट मिल्क पीना शुरू कर दीजिए। इससे आपको टेस्ट तो आएगा ही, साथ ही आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त होंगे। चाकलेट मिल्क पीने के फायदों के बारे में-

★चॉकलेट मिल्क शरीर को मांसपेशियों के ऊतकों के पुनर्निर्माण और कुशलतापूर्वक ऊर्जा की आपूर्ति को फिर से भर देता है। दरअसल चॉकलेट मिल्क आपकी ऊर्जा को बढ़ाने रखने के लिए कार्बोहाइड्रेट प्रदान करता है।

★एक कप चॉकलेट मिल्क 9 ग्राम प्रोटीन और विटामिन ए के लिए आरडीए का 10 प्रतिशत प्रदान करता है। त्वचा स्वास्थ्य के लिए विटामिन ए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह त्वचा की झुर्रियों को रोकने में मदद करता है, और नई त्वचा कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ाता है, जो पुराने क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को बदल देता हैं।

★एक कप चॉकलेट मिल्क में विटामिन डी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन डी आपकी हड्डियों और दांतों को मजबूत करने के लिए जाना जाता है। विटामिन डी के सेवन से कार्डियोवस्कुलर और रेस्पिरेटरी बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

20 से 30 की उम्र में अपनाएं ये टिप्स

20 से 30 साल की उम्र में हमारा स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होता है। जिस कारण त्वचा पर भी हमेशा ग्लो रहता है। लेकिन हम भूल जाते हैं कि अगर अभी त्वचा की देखभाल नहीं की, तो आगे चलकर ढीली त्वचा, बेजान व रूखी त्वचा जैसी परेशानियां हो सकती हैं। जो लोग 20 से 30 साल की उम्र में यहां बताए जा रहे टिप्स अपना लेते हैं, जिंदगीभर उनकी त्वचा में चमक और जवानी रहती है।

हाइड्रेशन है सबसे जरूरी

त्वचा को बिल्कुल दोषरहित बनाने के लिए हाइड्रेशन सबसे जरूरी है। जो कि त्वचा को रूखा होने से बचाता है और नमी प्रदान करता है। इसके लिए 20 से 30 साल की उम्र के लोगों को रोजाना 3 लीटर के आसपास पानी पीना चाहिए।

मॉश्चराइजर सभी के लिए

ऑयली स्किन वाले लोगों को लगता है कि उन्हें मॉश्चराइजर की जरूरत नहीं है। लेकिन ऐसा नहीं होता। चाहे आपकी स्किन ड्राई हो या ऑयली या फिर नॉर्मल। हर किसी के लिए मॉश्चराइजर जरूरी है, जो स्किन को चमकदार बनाए रखने में मदद करता है।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं क्या?

बुढ़ापे तक त्वचा को चमकदार बनाने के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। क्योंकि, इससे ना सिर्फ सूरज की हानिकारक किरणों से सुरक्षा मिलती है, बल्कि त्वचा को पोषण भी बना रहता है।

बीमारियों का काल है नीरा

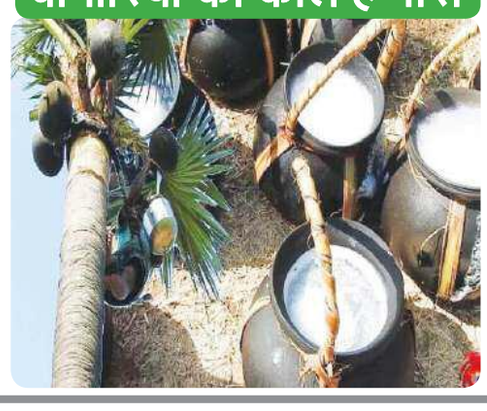

नीरा और ताड़ी में अंतर

बहुत से लोग ताड़ी और नीरा को एक ही समझ लेते हैं जबकि दोनों अलग-अलग चीजें हैं। दोनों ही नारियल के पेड़ से निकलती है लेकनि ताजा रस को नीरा और उसके फर्मेंट रूप को ताड़ी कहा जाता है। वहीं, नीरा स्वाद में मीठा जबकि ताड़ी खट्टी होती है।

100 से अधिक बीमारियों का काल

शोध की मानें तो नीरा का सेवन 100 से अधकि बीमारयिों को दूर करने में कारगार है। पेड़ से तुरंत निकालने के बाद इसका सेवन कर लें क्योंकि ज्यादा देर खुला छोड़ने से इसके गुण खत्म होने लगते हैं। महाराष्ट्र तमिलनाडु, गुजरात, केरल, आंध्रप्रदेश जैसे राज्यों में यह आसानी से मिल जाता है।

डिहाइड्रेशन से बचाव

गर्मी में इसका सेवन शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने में मदद करता है क्योंकि इसमें 84% पानी होता है। साथ ही इससे आपको एनर्जी भी मिलती है।

कमजोरी दूर करे

नीरा का सेवन कमजोरी, सुस्ती, थकावट दूर करने में भी मददगार है। खासकर गर्भवती महिलाओं को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

पेट के लिए फायदेमंद

पेट से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में भी नीरा काफी मददगार है। हफ्ते में 1 बार इसका सेवन कब्ज, एसिडिटी, आंत की समस्याओं को दूर रखता है।

यूरिन में जलन

शरीर में पानी की कमी या किसी और वजह से यूरिन पास करते समय जलन होता है तो इसका सेवन करें। नीरा पीने से यह समस्या दूर होती है।

खून की कमी करें दूर

शरीर में खून या व्हाइट सेल्स की कमी है तो इसका सेवन करें। इसमें आयरन व जिंक होता है, जो एनीमिया को दूर करने में मददगार है।

वजन बढ़ाने में मददगार

अगर आप वजन बढ़ाने के तरीके ढूंढ रहे हैं तो हफ्ते में कम से कम 2 बार इसका सेवन करें। आपको खुद रिजल्ट देखने को मिलेगा।

टीबी की बीमारी दूर करने में फायदेमंद

टीबी जैसी गंभीर बीमारी में भी नीरा पीना फायदेमंद है। डॉक्टर्स भी टीबी की बीमारी में इसे पीने की सलाह देते हैं।

आंखों के लिए फायदेमंद

आंखों की रोशनी बढ़ाने के अलावा नीरा आईज ड्राईनेस, जलन, खुजली, धुंधलापन, कंजक्टिवाइटिस को दूर रखने में भी मदद करता है।

पीलिया

नीरा का सेवन करने से पीलिया के लक्षण नजर भी कम होते हैं और जल्दी रिकवरी होती है।

बॉडी की स्ट्रेंथ बढ़ाने के व्यायाम

व्यायाम करना सेहत के लिए बेहद आवश्यक माना गया है। व्यायाम आपको निरोगी बनाने के साथ-साथ आपकी बॉडी का स्टेमिना और स्ट्रेंथ भी बढ़ती है। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे व्यायाम के बारे में बता रहे हैं जो आपकी अपर बॉडी की स्ट्रेंथ को बढ़ाने का काम करते हैं-

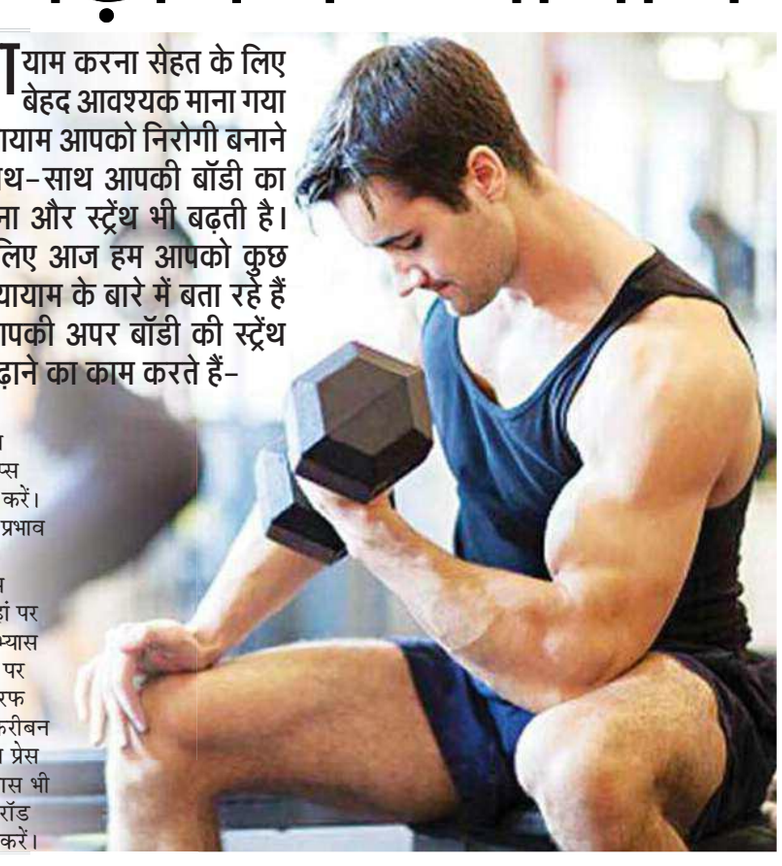

पुल अप्स : अपर बॉडी स्ट्रेंथ बढ़ाने के लिए पुल अप्स का अभ्यास करना एक काफी अच्छा व्यायाम साबित हो सकता है। इसका अभ्यास करने के लिए आप थोड़ी ऊंचाई पर फिट रॉड को पकड़ें और सिर्फ अपने हाथों के जोर पर अपने शरीर को ऊपर की तरफ लेकर जाएं। इस एक्सरसाइज के दौरान आपके शरीर का सारा भार आपके कंधों पर होता है।

पुश अप्स : अपर बॉडी को बेहतर बनाने के लिए पुशअप्स की प्रैक्टिस भी अवश्य करनी चाहिए। आप शुरूआत नॉर्मल पुशअप्स या वॉल पुशअप्स से कर सकते हैं। जब एक से दो महीने में आप रोजाना इसका अभ्यास करने से अभ्यस्त हो जाएंगे तो आप कई तरह के पुशअप्स जैसे क्लोज पुशअप्स, वाइडर पुशअप्स व क्लैप पुशअप्स आदि का अभ्यास करें। इससे आपकी अपर बॉडी पर ज्यादा प्रभाव डालते हैं।

बेंच प्रेस व चेस्ट प्रेस : अगर आप जिम जाते हैं तो आपने इसका अभ्यास वहां पर अवश्य किया होगा। बेंच प्रेस का अभ्यास करने के लिए आप सबसे पहले बेंच पर लेट जाएं और फिर रॉड पर दोनों तरफ करीबन 5-5 किलो वेट लगाकर करीबन दस रैप के तीन सेट करें। आप बेंच प्रेस की तरह ही चेस्ट प्रेस का भी अभ्यास भी किया जाता है, लेकिन इसमें आप रॉड के स्थान पर डम्बल का इस्तेमाल करें।

आज की रेसिपी

बाटन पापड़ी चाट

सामग्री :

■4-5 बन्स2 टेबल स्पून सेव 3 उबले आलू , टुकड़ों में कटा हुआ3-4 करकुरी पापड़ी2 टेबल स्पून पुदीने की चटनी2 टेबल स्पून इमली की चटनी1 टी स्पून चाट मसालास्वादानुसार नमक1 टी स्पून जीरा पाउडर1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर2 टेबल स्पून प्याज, टुकड़ों में कटा हुआ2 टेबल स्पून धनिया पत्ती1 टेबल स्पून पुदीना पत्तियां

विधि :

- उबले हुए आलू को क्यूब्स में काट लें और प्याज को बारीक काट लें. अब, एक प्लेट लें, बन्स (बाटन) को छिद्रपूर्ण पक्ष के साथ ऊपर की ओर रखें.
- फिर इसमें कटे हुए आलू, प्याज, कुटी हुई पापड़ी, सेव डालें और ऊपर से थोड़ा नमक, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर और चाट मसाला छिड़कें.
- अब, दोनों चटनी डालें और बन्स को हरे धनिये और अनार के दानों से सजाएं.
- आपका सिंधी स्टाइल पापड़ी चाट खाने के लिए तैयार है.

टेनिस

नोवाक जोकोविच का आस्ट्रेलिया में वीजा रद्द होने पर प्रतिक्रिया

एजेंसी ■ ब्रिसबेन

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का आस्ट्रेलिया में वीजा रद्द होने पर विभिन्न प्रतिक्रियाएं इस प्रकार है। बीस ग्रैंडस्लैम एकल विजेता रफेल नडाल : नियमों का पालन नहीं करने की सजा दुनिया भुगत ही रही है। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव: यदि उसके पास नियमों से वैध छूट थी तो उसे यहां होना चाहिए। अगर नहीं है तो नहीं। सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच : मैने नोवाक को बताया कि पूरा सर्बिया उनके साथ है और हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी की इस तरह प्रताड़ना पर तुरंत रोक लगे। आस्ट्रेलिया ओपन के पूर्व टूर्नामेंट निदेशक पॉल मैकनामी : उसने नियमों के अनुसार खेला , उसे छूट मिली , वह नौ बार का चैम्पियन है। लोगों को पसंद आए या नहीं लेकिन वह फेयरप्ले का हकदार है। वह नियम नहीं बनाता। उसे कोर्ट पर होना चाहिए, कोर्ट में नहीं। जोकोविच के कोच और 2001 विम्बलडन चैम्पियन गोरान इवानीसेविच : आस्ट्रेलिया की एकदम अलग तरह की यात्रा। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मौरिसन ट्विटर पर : जोकोविच का वीजा रद्द हो चुका है। नियम आखिर नियम है , खासकर जब बात सीमा की हो। कोई भी नियमों से ऊपर नहीं है। हमारी कड़ी सीमा नीतियों की वजह से ही आस्ट्रेलिया में कोरोना मृत्युदर कम है। हमें सतर्क रहना होगा। उक्रेन के टेनिस खिलाड़ी सर्जी शखोवस्की ट्विटर पर : अगली बार से कोई आपसे बोले कि खेल और राजनीति को अलग रखना चाहिए तो छह जनवरी 2022 को याद रखना जब विशुद्ध राजनीतिक अहंकार की वजह से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को ऐसे देश में प्रवेश नहीं दिया गया जहां सरकारी संस्थानों को प्रवेश मिल रहा था। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी टेनिस सैंडग्रेन ट्विटर पर : एक बात साफ है

मैनचेस्टर सिटी में कोरोना संक्रमण, सीरी ए के चार मैच स्थगित

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गुआर्डियोला और सात खिलाड़ियों को कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद अलग थलग रखा गया है जबकि सीरी ए कीचार टीम को पृथकवास में रहने का निर्देश दिया गया जिससे वे गुरूवार को मैच नहीं खेल सकीं। मैनचेस्टर सिटी ने संकेत दिया कि उसकी योजना एफए कप मैच में शुक्रवार को स्विंडन के खिलाफ खेलने की है जिसमें सहायक कोच रोडोल्फो बोरेल जिम्मेदारी संभालेंगे। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) चैम्पियन ने कहा कि गुआर्डियोला उन 14 बैकरूम स्टाफ और सात खिलाड़ियों में शामिल हैं।

एक नजर

मुंबई सिटी एफसी ने विनीत राय को ओडिशा एफसी से उधार लिया

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की मौजूदा चैम्पियन मुंबई सिटी एफसी ने गुरुवार को मिडफील्डर विनीत राय को टीम में शामिल करने की पुष्टि की। यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक मुंबई सिटी एफसी ने इस 24 साल के फुटबॉल खिलाड़ी को ओडिशा एफसी से 31 मई 2022 तक उधार (लोन पर) लिया है। असम के इस खिलाड़ी ने टाटा फुटबॉल अकादमी से प्रशिक्षण लेने के बाद डेम्पो की टीम के साथ अपना पेशेवर करियर शुरू किया था। वह इसके बाद 2016 में आईएसएल टीम केरल ब्लास्टर्स से जुड़े और फिर आई-लीग टीम मिनर्वा पंजाब एफसी का हिस्सा रहे है। उन्हें 2017 में दिल्ली डायनामोज एफसी (बाद में इस टीम का नाम ओडिशा एफसी हो गया) ने चुना। वह ओडिशा की टीम के लिए सबसे ज्यादा (72) मैच खेलने वाले खिलाड़ी है और क्लब ने 2021-22 सत्र से पहले उन्हें कप्तान बनाया था। विनीत ने कहा, मैं एक ऐसे क्लब से जुड़कर खुश हूं जो न केवल मौजूदा चैम्पियन हैं बल्कि इस सत्र में और भी अधिक हासिल करने की महत्वाकांक्षा रखता है। मुख्य कोच डेस बकिंघम ने उन्हें अनुभवी फुटबॉलर करार देते हुए कहा, वह अपनी जगह (मिडफील्ड) के शीर्ष खिलाड़ियों में से एक है और जानता है कि आईएसएल में सफल होने के लिए क्या करना चाहिए।

सानिया-नाडिया की जोड़ी एडीलेड इंटरनेशनल के सेमीफाइनल में

एडीलेड। भारत की सानिया मिर्जा और उनकी उक्रेन की जोड़ीदार नाडिया किचेनोक ने गुरूवार को कड़े मुकाबले में अमेरिका की शेल्बी रोजर्स और ब्रिटेन की हीथर वाटसन को हराकर एडीलेड इंटरनेशनल। डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट के महिला युगल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सानिया और नाडिया की जोड़ी ने अपनी प्रतिद्वंद्वियों को 55 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में 6-0।-6 10-5 से शिकस्त दी। अब सानिया-नाडिया की जोड़ी का सामना डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट के अंतिम चार में एशले बार्टी और स्टोर्म सैंडर्स की जोड़ी से होगा।

घुड़सवारी

एशियाई खेलों में भारत की भागीदारी पर कोई संदेह नहीं: ईएफआई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने आगामी एशियाई खेलों में भारत की भागीदारी की पुष्टि करते हुए कहा कि इस खेल की विभिन्न स्पर्धाओं के लिए देश के कई घुड़सवारों ने न्यूनतम जरूरी योग्यता (एमईआर) हासिल कर ली है और अभी कुछ चयन ट्रायल बाकी है। इस खेल के वैश्विक शासी निकाय अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी महासंघ (एफईआई) ने ईएफआई की एक प्रतियोगिता के स्तर को कम कर दिया था जिसके बाद 10 से 25 सितंबर तक चीन के हांगझोऊ में होने वाले एशियाई खेलों में भारत की भागीदारी पर संदेह पैदा हो गया है। इसके बाद ईएफआई ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि एफईआई भारत के चयन ट्रायल में हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। उसने हालांकि स्वीकार किया कि एक प्रतियोगिता के स्तर (सीसीआई2 से सीसीआई1) को कम किया गया है, जो चयन ट्रायल का हिस्सा था। ईएफआई ने कहा कि यह तय करना राष्ट्रीय महासंघ का विशेषाधिकार है कि कौन सा आयोजन चयन ट्रायल होगा। ईएफआई महासचिव कर्नल जयवीर सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा, मैं आपसे एक आसान सा सवाल पूछता हूं, क्या आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) राष्ट्रीय टीम के लिए बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के चयन ट्रायल में हस्तक्षेप कर सकता है या यूडब्ल्यूडब्ल्यू (कुश्ती की वैश्विक संस्था) एशियाई खेलों के लिए भारतीय पहलवानों के चयन में हस्तक्षेप कर सकता है? उन्होंने कहा, राष्ट्रीय टीम चुनना भारत के राष्ट्रीय खेल महासंघ पर निर्भर है।

आईसीसी वनडे विश्व कप

आईसीसी महिला विश्व कप की भारतीय टीम में जेमिमा , शिखा को जगह नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

शीर्ष क्रम की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रौड्रिगेज और अनुभवी तेज गेंदबाज शिखा पांडे को चार मार्च से तीन अप्रैल तक न्यूजीलैंड में होने वाले आईसीसी वनडे विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय महिला क्रिकेट टीम में जगह नहीं मिली है। चयनकर्ताओं ने इस साल के शुरू में आस्ट्रेलियाई दौरे पर शानदार प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है जिसमें बाएं हाथ की बल्लेबाज यास्तिका भाटिया के साथ मेघना सिंह और रेणुका सिंह की तेज गेंदबाजी जोड़ी भी शामिल है। मिताली राज टीम की कप्तान होंगी जबकि हरमनप्रीत कौर उपकप्तान रहेंगी। 39 वर्ष की मिताली कह चुकी हैं कि वह विश्व कप के बाद संन्यास के बारे में सोचेंगी। एक अन्य शीर्ष क्रम बल्लेबाज पूनम राउत को भी टीम में जगह नहीं मिली है क्योंकि चयनकर्ताओं ने तेजी से रन बटोरने वाली खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है। पूनम राउत इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया में टीम का हिस्सा रही थीं। टीम में स्मृति मंधाना, झूलन गोस्वामी और युवा शेफाली वर्मा को भी शामिल किया गया है। जेमिमा और हरफनमौला शिखा को खराब फॉर्म की वजह से टीम में जगह नहीं मिली है। जेमिमा पिछले साल एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सकी। उन्होंने हालांकि इंग्लैंड में द हंड्रेड टूर्नामेंट और आस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग में अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं शिखा ने अंतरराष्ट्रीय मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। रिचा घोष और तानिया भाटिया के रूप में भारत ने दो विकेटकीपरों को मौका दिया गया है। यही भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ से 24 फरवरी तक सीमित ओवरों की श्रृंखला खेलेगी जिसमें पांच वनडे मैच खेले जाएंगे। पूर्व भारतीय कप्तान डायना एडुल्जी ने पीटीआई से कहा कि संतुलित टीम का चयन किया गया है लेकिन उन्होंने शिखा पांडे को बाहर किए जाने पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा, जेमिमा को अब मजबूत वापसी करनी चाहिए। हालांक शिखा को नहीं चुना जाना थोड़ा हैरानी भरा है क्योंकि वह झूलन के साथ एक अनुभवी तेज गेंदबाज हो सकती थीं। इडुल्जी ने कहा, मुझे लगता है कि जब झूलन संन्यास ले लेगी तो वह वापसी करेगी। सीनियर खिलाड़ियों ने युवाओं के लिए जगह बनाई है। यह दिखाता है कि आप अपने स्थान को हल्के में नहीं ले सकते। वह उम्मीद कर रही हैं कि युवा शेफाली और अधिक निरंतर होंगी जिनकी शार्ट पिच गेंद के खिलाफ कमजोरी आस्ट्रेलिया में उजागर हुई थीं। उन्होंने कहा, मैं नहीं जानती कि तेज गेंदबाजों के खिलाफ उसे क्या चीज परेशान कर रही थी। जब वह आई थी तो वह इस तरह नहीं खेलती थी।

टीम :

आईसीसी महिला विश्व कप 2022 और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे के लिए :

मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष , स्नेह राणा, झूलन गोस्वामी, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, रेणुका सिंहझ कुर, तानिया भाटिया, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव।

स्टैंडबाय : एस मेघना, एकता बिष्ट, सिमरन दिल बहादुर।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना,शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, रिचाा घोष, स्नेह राणा, पूजा वस्त्राकर, मेधना सिंह, रेणुका सिंह ठाकुर, तानिया भाटिया, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव, एस मेघना, एकता बिष्ट, सिमरन दिल बहादुर।

एएफसी एशियाई कप: रिकॉर्ड संख्या में महिला मैच अधिकारियों की नियुक्ति

एजेंसी ■ मुंबई

भारत में होने वाले आगामी एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल प्रतियोगिता में अनुभवी महिला मैच अधिकारियों की अब तक की सबसे बड़ी टीम देखने को मिलेगी। यह टूर्नामेंट 20 जनवरी से छह फरवरी तक महाराष्ट्र के तीन शहरों मुंबई, नवी मुंबई और पुणे में खेला जाएगा। यहां जारी मीडिया विज्ञप्ति के मुताबिक, टूर्नामेंट के लिए 32 मैच अधिकारियों का चयन किया गया है। इसमें 16 रेफरी और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के 15 सदस्य संघों के सहायक रेफरी शामिल हैं। ए अधिकारी टूर्नामेंट में प्ले-ऑफ सहित अधिकतम 29 मैचों में कार्यभार संभालेंगे। इस दल में शामिल नौ मैच अधिकारियों ने फ्रांस में 2019 में हुए फीफा महिला विश्व कप में अपनी सेवाएं दी थी। मैच अधिकारियों के इस दल में तीन भारतीय रंजीता देवी टेकचम (रेफरी), फर्नांडीस उवेना (सहायक रेफरी) और रेबेलो मारिया पिएडेड (तकनीकी प्रशिक्षक) शामिल हैं। इस टूर्नामेंट में पहली बार वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) का भी इस्तेमाल होगा। वीएआर का इस्तेमाल क्वार्टर फाइनल के साथ-साथ संभावित प्ले-ऑफ मैचों में होगा। बयान के मुताबिक, टूर्नामेंट के लिए अतिरिक्त छह वीडियो मैच अधिकारियों को नियुक्त किया जाएगा, इस प्रणाली का उपयोग दो स्थानों नवी मुंबई और पुणे में किया जाएगा।

टाटा स्टील पीजीटीआई क्वालीफाईंग स्कूल 2022 में भाग लेंगे 338 गोल्फर

एजेंसी ■ अहमदाबाद

टाटा स्टील पीजीटीआई क्वालीफाईंग स्कूल टूर्नामेंट सात से 20 जनवरी के बीच कल्हार ब्लूज एंड ग्रीन्स गोल्फ क्लब में खेला जाएगा जिसमें कुल 338 गोल्फर भाग लेंगे। क्वालीफाईंग स्कूल से ही पीजीटीआई (भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर) की शुरुआत होती है। इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों में 259 पेशेवर और 79 एमेच्योर गोल्फर शामिल हैं। यह टूर्नामेंट पूरे सत्र के लिए खिलाड़ियों के मानदंड निर्धारित करता है। क्वालीफाइंग स्कूल टूर्नामेंट पीजीटीआई की सभी प्रतियोगिताओं में सबसे लंबी अवधि तक चलता है। इसे दो सप्ताह तक आयोजित किया जाता है और इसमें देश भर के गोल्फर भाग लेते हैं। भारतीय गोल्फरों के अलावा इस साल के क्वालीफाइंग स्कूल में 20 विदेशी गोल्फर भी भाग लेंगे। इनमें बांग्लादेश के आठ, कनाडा के चार, आस्ट्रेलिया के दो, श्रीलंका के दो तथा अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल का एक-एक खिलाड़ी शामिल है।

रेलवे क्रिकेट अकादमी जीती

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उत्तर रेलवे क्रिकेट अकादमी (NRCA) ने स्पेक्ट्रम (SPECTRUM) अकादमी लाजपत नगर नई दिल्ली को एक विकेट से परास्त कर दिया तथा तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। रेलवे अकेडमी के कोच नीरज शर्मा ने बताया कि स्पेक्ट्रम अकादमी ने पहले बल्लेबाजी कर 30 ओवरों में 232 रन बनाये ईशान ने 79 अर्नव श्रीवास्तव ने 42 तथा साहिर व आर्यन सबरवाल ने क्रमशः 37 व 18 रन बनाये। मीर डेढ़ा ने 37 रन देकर चार तथा मयूर ने 27 रन देकर तीन विकेट चटकाए। जवाब में नॉर्दन रेलवे क्रिकेट अकादमी ने 9 विकेट पर 27.1 ओवरों में 236 रन बना लिए विश्रुत मिश्रा ने नाबाद 114 रन 71 बॉल में (20×4 तथा 3x6) तथा मीर ने 32 व राघव कौशिक ने 42 रनों की पारी खेली ईशान ने 29 रन देकर चार आरव ने 40/2 व आर्यन तनेजा ने 3 विकेट लिये।

कोरोना परिसर के अंदर रहने वाले खिलाड़ियों और सभी कोच के बीच किए गए

एनआईएस पटियाला में कोरोना वायरस संक्रमण के चार मामले

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी की तीसरी लहर की चपेट में पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) भी आ गया है, जहां गुरुवार को इसके संक्रमण के चार मामलों की पुष्टि हुई। परिसर के अंदर रहने वाले खिलाड़ियों और सभी कोच के बीच किए गए 170 आरटी-पीसीआर जांच के बाद चार मामलों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। संक्रमण के चार मामलों में तीन जूनियर एथलीट और एक कोच शामिल हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के अधिकारी ने कहा, साइ के कोविड-19 मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत मंगलवार को एनएसएनआईएस पटियाला में खिलाड़ियों और सभी कोच के 170 आरटी-पीसीआर परीक्षण किए गए। इसके परिणामों से पता चला है कि तीन जूनियर खिलाड़ी और एक कोच कोविड-19 पॉजिटिव हैं। उन्होंने कहा, इन चारों में बीमारी के लक्षण नहीं है और सभी एसओपी के तहत पृथकवास पर हैं। अधिकारी ने कहा, राष्ट्रीय शिविर में शामिल खिलाड़ियों और सभी कोच में कोविड-19 पॉजिटिव का कोई मामला नहीं है और वे जैव-सुरक्षित (बायो-बबल) माहौल में अभ्यास कर रहे हैं। साइ के एक अधिकारी ने यह भी कहा कि शीर्ष एथलीट पूरी तरह से अलग बायो-बबल में हैं और उनका जूनियर खिलाड़ियों या बाहरी दुनिया से कोई संबंध नहीं है। अधिकारी ने बताया कि खिलाड़ियों के अलावा एनआईएस पटियाला ने भी अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के कुछ छात्रों के बीच कोविड-19 पॉजिटिव मामलों की सूचना दी, लेकिन वे परिसर से बाहर चले गए और इसका शिविर में रहने वालों से कोई संबंध नहीं है। मौजूदा जांच में पॉजिटिव आए चारों व्यक्तियों की पंजाब सरकार के दिशानिर्देश के मुताबिक 10 दिनों के बाद फिर से जांच होगी। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, हमें जानकारी है कि हमारे शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में भाग लेने वालों में कुछ मामले (कोविड-19 पॉजिटिव) थे लेकिन वे सभी परिसर से बाहर रहते हैं। जैसे ही हमें उनके बारे में पता चला, हमने तीन दिन पहले शारीरिक कक्षाएं बंद कर इसे ऑनलाइन तरीके से करने का फैसला किया।

टेस्ट

एशेज टेस्ट : ख्वाजा के शतक से आस्ट्रेलिया का विशाल स्कोर

एजेंसी ■ सिडनी

उस्मान ख्वाजा के नौवें टेस्ट शतक की मदद से आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन आठ विकेट पर 416 रन के स्कोर पर पारी घोषित की। जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर इंग्लैंड ने बिना किसी नुकसान के 13 रन बना लिए थे। 2019 के बाद पहला टेस्ट खेल रहे ख्वाजा को ट्रेविस हेड के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के कारण ही आस्ट्रेलियाई टीम में जगह मिली थी। उन्होंने स्टीव स्मिथ (67) के साथ शतकीय साझेदारी की और फिर आस्ट्रेलियाई पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाई। उन्होंने 206 गेंद में 137 रन की पारी खेली। इससे पहले स्टुअर्ट ब्रॉड ने दूसरी नई गेंद से आस्ट्रेलिया को लगातार दो झटके दिए। उन्होंने 101 रन देकर पांच विकेट लिए। दूसरे दिन के अंत में हसीब हमीद और जाक क्रॉली दो दो रन बनाकर खेल रहे थे। इंग्लैंड आस्ट्रेलिया के पहली पारी के स्कोर से 403 रन पीछे है। इंग्लैंड ने लंच ब्रेक के बाद दूसरी नई गेंद ली और इसका फायदा तुरंत मिला जब ब्रॉड ने स्मिथ को विकेट के पीछे जोस बटलर के हाथों लपकवाया। इसके साथ ही स्मिथ और ख्वाजा की 115 रन की साझेदारी भी टूट गई। इसके चार ओवर बाद ब्रॉड ने कैमरन ग्रीन (पांच) को स्लिप में जाक क्रॉली के हाथों लपकवाया। आस्ट्रेलिया का स्कोर इस समय पांच विकेट पर 242 रन था। एलेक्स कारी 13 रन बनाकर जो रूट की गेंद पर डीप में जॉनी बेयरस्टॉ को कैच देकर लौटे। दूसरे छोर से विकेटों को गिरते देख रहे ख्वाजा ने 201 गेंद में 11 चौकों की मदद से अपना शतक पूरा किया। उन्हें 30 के स्कोर पर जीवनदान मिला था जब जैक लीच की गेंद पर जो रूट ने उनका कैच छोड़ा था। उन्होंने इस पारी के साथ 3000 टेस्ट रन भी पूरे कर लिए। सात घंटे की उनकी पारी का अंत ब्रॉड ने किया। मैदान पर जमा करीब 25000 दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। इससे पहले अपना 81वां टेस्ट खेल रहे स्मिथ ने अपना 33वां अर्धशतक 116 गेंद में पूरा किया।